राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 29 अप्रैल 2025 वर्ष-8,अंक-69 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत और फ्रांस के बीच 26 राफेल मरीन विमानों की डील साइन

जेट के आने से इंडियन नेवी और ताकतवर होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद सोमवार को भारत और फ्रांस के बीच 26 राफेल मरीन विमानों की डील साइन हो गई है। यह डील 63,000 करोड़ रुपये में हुई है। डील के तहत भारतीय नौसेना के लिए फ्रांस से 26 राफेल मरीन एयरक्राफ्ट खरीदे जाएंगे। इस समझौते के भारत का प्रतिनिधित्व रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने किया। इस दौरान नौसेना के उपप्रमुख वाइस एडमिरल के. स्वामीनाथन भी मौजूद थे।

इस समझौते के तहत 22 सिंगल-सीट और 4 ट्विन-सीट विमान शामिल है। इस समझौते से पाकिस्तान को करारा झटका लगने वाला है, क्योंकि ये जेट आईएनएस विक्रांत पर तैनात किए जाएंगे। इस जेट के आने से इंडियन नेवी और ताकतवर होगी। भारत और फ्रांस के बीच 2016 में एक सौदा हुआ था, इसके तहत पहले से ही भारतीय वायुसेना के बेड़े में 36 एयरक्राफ्ट है। भारतीय वायुसेना के राफेल जेट अंबाला और हाशिनारा इन दो बेस से ऑपरेट होते है। इन 26 राफेल-एम की डील के साथ भारत की राफेल जेट की संख्या बढ़कर 62 होगी। राफेल-एम एक मल्टीरोल फाइटर जेट है। इसका एईएसए राडार टारगेट डिटेक्शन और ट्रैकिंग के लिए बेहतरीन है। इसमें स्पेक्ट्रा इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम है जो राफेल-एम को स्टेल्थ बनाता है। इसमें बीच हवा में ही रीफ्यूलिंग हो सकती है। यानी इसकी रेंज बढ़ जाएगी। राफेल-एम फाइटर आने से भारतीय समुद्री क्षेत्र में निगरानी, जासूसी, अटैक जैसे कई मिशन आसानी से पूरे हो सकते है। यह फाइटर जेट एंटी-शिप वॉरफेयर के लिए बेस्ट है। इसमें प्रेसिशन गाइडेड बम और मिसाइलें लगा सकते हैं।

अब भारत ने की डिजिटल स्ट्राइक: जहर उगलने वाले 16 पाकिस्तानी यूट्यूब चैनल पर पाबंदी

नई दिल्ली। पाकिस्तान पर शिकंजा कसने में भारत कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। पहले पानी रोका, फिर कई समझौते तोड़े दिए। अब भारत के खिलाफ जहर उगल रहे कई यूट्यूब चैनलों पर प्रतिबंध लगाकर डिजिटल स्ट्राइक की है। सूत्रों के मुताबिक गृह मंत्रालय की सिफारिश पर भारत सरकार ने 16 पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों, जिनमें डॉन न्यूज, समा टीवी, एआरवाय न्यूज और जियो न्यूज जैसे बड़े नाम शामिल हैं, पर पाबंदी लगा दी है। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हिंदू नरसंहार ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया। इस हमले में 26 लोग मारे गए। भारत ने इसे पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का हिस्सा बताया। इसके बाद देशभर में गुस्सा भड़क उठा, और प्रदर्शन शुरू हो गए। सरकार ने तुरंत कदम उठाते हुए न सिर्फ सिंधु जल संधि को निलंबित किया, बल्कि पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा भी रद्द कर दिए। चैनलों पर जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत, उसकी सेना और सुरक्षा एजेंसियों के खिलाफ भड़काऊ, सांप्रदायिक और झूठी बातें फैलाने का आरोप है। इससे पहले भारत ने पाकिस्तान सरकार के आधिकारिक एक्स अकाउंट को भी बैन कर कड़ा संदेश दिया था। अब डिजिटल मोर्चे पर भारत ने पाकिस्तान के उन यूट्यूब चैनलों को निशाना बनाया, जो भारत के खिलाफ जहर उगल रहे थे। सरकार के सूत्रों का कहना है कि ये चैनल झूठी और भ्रामक कहानियां फैलाकर देश में अशांति भड़काने की कोशिश कर रहे थे।

ओटीटी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर परोसी जा रही अश्लीलता

*** सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और कंपनियों से मांगा जबाव**

नई दिल्ली। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अश्लील कंटेंट की स्ट्रीमिंग पर रोक वाली याचिका पर सुनवाई कर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र और कंपनियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि याचिका एक गंभीर चिंता जाहिर कर रही है। केंद्र सरकार को इस पर कुछ कदम उठाने की जरूरत है। यह मामला कार्यपालिका या विधायिका के अधिकार क्षेत्र में आता है। इसके बाद हम पर आरोप हैं कि हम कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में दखल देते हैं। फिर भी हम इस गंभीर समस्या पर नोटिस जारी कर रहे हैं। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि ओटीटी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर कंटेंट को लेकर कुछ नियम पहले से मौजूद हैं। मोदी सरकार और नए नियम लागू करने पर विचार कर रही है। याचिकाकर्ता की ओर से मशहूर वकील विष्णु शंकर जैन पेश हुए। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में केंद्र को अश्लील कंटेंट की स्ट्रीमिंग पर रोक लगाने के लिए सही कदम उठाने का निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि ओटीटी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बिना किसी फिल्टर के अश्लील कंटेंट परोस रहे हैं। यह युवाओं, बच्चों और यहां तक ??कि बड़ों के दिमाग को भी गंदा करती है।

आकाशीय बिजली गिरने से 4 की मौत, 21 राज्यों में है बारिश-आंधी का अलर्ट

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में मौसम का कहर जारी है। उत्तर प्रदेश और बिहार में आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं में चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना में उत्तर प्रदेश के अयोध्या में एक बच्ची और फतेहपुर में एक किसान की जान चली गई। वहीं, बिहार के पटना और हाजीपुर में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है। इसी के साथ ही भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने आज भी 21 राज्यों में तेज बारिश और आंधी-तूफान की चेतावनी जारी की है। दूसरी ओर, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में भीषण गर्मी (हीटवेव) का अलर्ट दिया गया है।

बाड़मेर में सबसे ज्यादा तपिश- राजस्थान के बाड़मेर में रविवार को तापमान 46.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो देश में सर्वाधिक दर्ज किया गया। दिल्ली में भी भले ही तापमान में थोड़ी गिरावट आई, लेकिन पारा 41.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। पंजाब में मौसम विभाग ने आगामी पांच दिनों के लिए लू का येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 29 अप्रैल मंगलवार को केरल, कर्नाटक, ओडिशा, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भारी बारिश की संभावना है। वहीं, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और राजस्थान में भीषण गर्मी का कहर जारी रहेगा। इसी प्रकार 30 अप्रैल बुधवार को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, राजस्थान और मध्य प्रदेश में हीटवेव का अलर्ट है। उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, गुजरात और छत्तीसगढ़ में भी तापमान में तेज बढ़ोतरी होगी। ओडिशा और केरल में भारी बारिश की आशंका है, जबकि पूर्वोत्तर राज्यों में आंधी और बिजली गिरने के आसार हैं।

कांग्रेस नेता शशि थरुर बोले बिलावल भुट्टो से- खून बहेगा तो आपका हिस्सा ज्यादा होगा...

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर ने पाकिस्तान पीपल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी के उकसावे भरे बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। बिलावल ने भारत द्वारा सिंधु जल संधि निलंबन के निर्णय पर चेतावनी दी थी कि या तो इस नदी में पानी बहेगा या भारतीयों का खून। इस पर सख्त प्रतिक्रिया देते हुए शशि थरूर ने कहा, अगर खून बहेगा, तो शायद वह आपके हिस्से में ज्यादा होगा। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने बिलावल भुट्टो की टिप्पणी को उकसावे वाली बयानबाजी करार देते हुए कहा कि भारत की पाकिस्तान के खिलाफ कोई आक्रामक मंशा नहीं रही है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि भारत नो फर्स्ट यूज (पहले परमाणु हमला न करने) की नीति का पालन करता है, लेकिन यदि पाकिस्तान ने कोई दुस्साहस किया तो उसे जवाब के लिए तैयार रहना चाहिए।

पहलगाम हमले के बाद सिंधु जल संधि निलंबित

भारत ने हाल ही में पांच-सूत्रीय योजना के तहत 65 साल पुरानी सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया है। यह निर्णय जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद लिया गया था, जिसमें दो दर्जन से ज्यादा स्थानीय और बाहरी पर्यटकों की जान चली गई थी। गौरतलब है कि इस संधि के तहत पाकिस्तान को सिंधु नदी बेसिन में बहने वाले 80 प्रतिशत पानी तक निर्बाध पहुंच प्राप्त थी। भारत अब इस पानी के नियंत्रण को लेकर सख्त रुख अपनाने की तैयारी में है।

भुट्टो के बयान पर भारत का सख्त संदेश

बिलावल भुट्टो ने भारत के फैसले पर कड़ा विरोध जताते हुए कहा था कि सिंधु नदी पाकिस्तान की ही रहेगी और धमकी भरे लहजे में खून बहाने की बात कही थी।

मुंबई हमला : दिल्ली की अदालत ने तहव्वुर राणा की एनआईए हिरासत 12 दिन के लिए बढ़ाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को 26/11 मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा की एनआईए हिरासत 12 दिन के लिए और बढ़ा दी। विशेष एनआईए न्यायाधीश चंद्रजीत सिंह ने एनआईए के अनुरोध पर राणा की हिरासत अवधि बढ़ा दी।

एनआईए ने राणा को 18 दिन की रिमांड अवधि समाप्त होने के बाद अदालत में पेश किया तथा उसकी हिरासत 12 दिन के लिए और बढ़ाए जाने का अनुरोध किया। राणा को कड़ी सुरक्षा के बीच चेहरा ढककर अदालत में पेश किया गया।

वरिष्ठ अधिवक्ता दयान कृष्णन और विशेष लोक अभियोजक नरेन्द्र मान इस मामले में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। वहीं, दिल्ली विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिवक्ता पीयूष सचदेवा राणा की ओर से

पैरवी कर रहे हैं।

अदालत ने अपने पिछले रिमांड आदेश में एनआईए को निर्देश दिया था कि वह राणा की हर 24 घंटे में चिकित्सा जांच कराए और उसे हर दूसरे दिन अपने वकील से मिलने की अनुमति दे। इसने राणा को केवल 'सॉफ्ट-टिप पेन' का उपयोग करने तथा एनआईए अधिकारियों की उपस्थिति में अपने वकील से मिलने की अनुमति दी, जो सुनने योग्य दूरी से बाहर होंगे।

पिछली बार बहस के दौरान एनआईए ने कहा था कि साजिश के पूरे पहलू को उजागर करने के लिए राणा की हिरासत की आवश्यकता है। इसने कहा था कि 17 साल पहले हुई घटनाओं का पता लगाने के लिए उसे विभिन्न स्थानों पर ले जाना आवश्यक है। अमेरिकी उच्चतम न्यायालय ने मुंबई हमलों के मुख्य साजिशकर्ता डेविड कोलमैन हेडली उर्फ दाऊद गिलानी के करीबी सहयोगी राणा के भारत प्रत्यर्पण के खिलाफ दायर उसकी पुनरीक्षण याचिका चार अप्रैल को खारिज कर दी थी जिसके बाद उसे भारत लाया गया था।

छब्बीस नवंबर 2008 को 10 पाकिस्तानी आतंकवादियों के एक समूह ने अरब सागर में समुद्री मार्ग से भारत की वित्तीय राजधानी में घुसपैठ करने के बाद एक रेलवे स्टेशन, दो लक्जरी होटलों और एक यहूदी केंद्र पर समन्वित हमले किए थे। लगभग 60 घंटे तक चले इन हमलों में 166 लोग मारे गए थे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिए पद्म सम्मान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार शाम को नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अजीत कुमार, नंदमुरी बालकृष्ण और शेखर कपूर को पद्म भूषण से सम्मानित किया। इस बीच गायक अरिजीत सिंह, जसपिंदर नरूला और दिग्गज अभिनेत्री ममता शंकर को कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए पद्म श्री से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति भवन में आयोजित इस समारोह में विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों को सम्मानित किया गया। यहां जानिए किन हस्तियों को मिला पुरस्कार। दिग्गज सिंगर रहे पंकज उधास को मरणोपरांत कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए पद्म भूषण से नवाजा गया। उनकी पत्नी फरीदा पंकज उधास ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से ये अवॉर्ड रिसीव किया। सुपरस्टार अजित कुमार ने भी पद्म भूषण अवॉर्ड हासिल किया।

पिछले साल इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने वाले आर अश्विन को भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया है। अश्विन समेत कई अन्य खिलाड़ियों को भी पद्म अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। इसमें हॉकी खिलाड़ी आर श्रीजेश का भी नाम शामिल है।

सोमवार 28 अप्रैल को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आर अश्विन को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया। इस सम्मान समारोह में पीएम मोदी समेत कई बड़े सितारे भी मौजूद थे। अश्विन यह अवॉर्ड लेने वाले 40वें भारतीय क्रिकेटर बन गए हैं। इससे पहले जहीर खान, सचिन तेंदुलकर, गौतम गंभीर समेत कई अन्य प्लेयर्स को यह अवॉर्ड दिया जा चुका है। 2023 में गुरचरण सिंह को इस अवॉर्ड से नवाजा गया था।

पीआर श्रीजेश को भारत के तीसरे सबसे बड़े नागरिक पुरस्कार पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। पिछले साल हॉकी से संन्यास लेने वाले हॉकी के महान खिलाड़ी को भारतीय हॉकी इतिहास के सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक माना जाता है।। श्रीजेश ने पुरुष हॉकी में भारत के लगातार दो ओलंपिक पदक जीतने में अहम भूमिका निभाई थी।

इडी की जांच रिपोर्ट में हुआ खुलासा- फिटजी ने 15 हजार छात्रों से ठगे 250 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच में यह भी सामने आया है कि फिटजी ने छात्रों से शैक्षणिक सत्र 2028-29 तक की एडवांस फीस जमा कराई गई थी। इनमें वर्तमान में चल रहे बैचों के छात्र-छात्राओं से लगभग 206 करोड़ रुपये जमा कराए गए थे। फिटजी कोचिंग संचालकों ने विभिन्न राज्यों के 14,411 छात्र-छात्रों से एडवांस फीस के रूप में 250.02 करोड़ रुपये जमा कराए थे और जनवरी माह में बिना किसी पूर्व सूचना के अपने कोचिंग सेंटर बंद कर दिए थे।

फिटजी संचालक ने कोचिंग सेंटर के अध्यापकों व कर्मचारियों के कई माह के वेतन का भुगतान भी नहीं किया था। ईडी ने कोचिंग संचालक के विरुद्ध दर्ज कराए गए मुकदमों को आधार बनाकर मनी लांड्रिंग का केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। ईडी ने गुरुवार व शुक्रवार को दिल्ली, नोएडा व गुरुग्राम स्थित आठ स्थानों पर छापेमारी की थी। इनमें कोचिंग संचालक का दिल्ली स्थित आवास व कारपोरेट आफिस भी शामिल था। जांच में यह भी सामने आया है कि शैक्षिक सेवाओं की आड़ में छात्र-छात्राओं व उनके अभिभावकों को धोखा देकर धन की हेराफेरी योजनाबद्ध ढंग से की गई। ईडी ने दिल्ली में कोचिंग संचालक डीके गोयल के वसंत विहार स्थित आवास समेत अन्य स्थानों पर की गई छापेमारी के दौरान कई दस्तावेज, 10 लाख रुपये नकद व 4.89 करोड़ रुपये के जेवर जब्त किए हैं। इनमें कई आपत्तिजनक दस्तावेज व डिजिटल डिवाइस भी शामिल हैं। ईडी के अनुसार व्यक्तिगत लाभ के लिए फीस की रकम को दूसरे खातों में डायवर्ट किया गया था। आगे की छानबीन की जा रही है।

इन राज्यों में सेंटर कर दिए बंद

फिटजी कोचिंग के लखनऊ, गाजियाबाद, मेरठ, नोएडा, प्रयागराज, दिल्ली, भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, फरीदाबाद, गुरुग्राम, मुंबई व अन्य शहरों में स्थित 32 कोचिंग सेंटर बिना किसी पूर्व सूचना के अचानक बंद कर दिए गए थे। ईडी के अनुसार छानबीन में सामने आया है कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 के 9,823 छात्र-छात्राओं से 181.89 करोड़ रुपये, शैक्षणिक सत्र 2026-27 के 3,316 छात्र-छात्राओं से 47.48 करोड़ रुपये, शैक्षणिक सत्र 2027-28 के 1,008 छात्र-छात्राओं से 17.07 करोड़ रुपये तथा शैक्षणिक सत्र 2028-29 के 264 छात्र-छात्राओं से 3.76 करोड़ रुपये बतौर फीस जमा कराए गए थे।

देश की बदकिस्मती की मोदी सर्वदलीय बैठक में नहीं आए : खड़गे

नई दिल्ली (एजेंसी)। जयपुर/नई दिल्ली, 28 अप्रैल (वेब वार्ता)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकवादी हमले के बाद आयोजित सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नहीं आने पर नाराजगी जताते हुए कहा है कि वैसे तो वह बड़ी बड़ी बाते करते हैं लेकिन जब देश के स्वभिमान को धक्का लगा तो बिहार में चुनावी भाषण कर रहे थे जबकि बैठक में सब पार्टी के लोग आये लेकिन देश की बदकिस्मती है कि इसमें मोदीजी नहीं आए जो शर्म की बात है।

खड़गे सोमवार को यहां कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि मासूम पर्यटक लोग, कश्मीर सुरक्षित है, कश्मीर हमारा है, इस उद्देश्य से देश के कोने-कोने से लोग वहां जाते हैं और वहां इतनी बुरी घटना हो गई। जिसमें 26 लोग तो मौके पर ही मारे गए। श्री खड़गे ने कहा कि इसके बाद उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा था कि

इस समय प्रधानमंत्री को सर्वदलीय बैठक बुलाई जानी चाहिए और इस कठिन समय में हम सब एक होकर सरकार जो भी कदम उठायेगी, हम उसका सहयोग करेंगे।

उन्होंने कहा 'हमारे देश की बदकिस्मती है कि सर्वदलीय बैठक में सब पार्टी के लोग आये लेकिन उसमें मोदीजी नहीं आए। यह शर्म की बात है। देश के स्वभिमान को जब धक्का लगा तो वह बिहार में चुनावी भाषण कर रहे थे और दिल्ली में नहीं आ सकते हैं। क्या दिल्ली दूर है बिहार से। बात तो बड़े बड़े करते हो, कम से कम बिहार से उस दिन सर्वदलीय बैठक में बैठते तो सबको मालूम होता कि आपकी प्लानिंग क्या है, आप क्या करने वाले हैं, हमसे क्या मदद चाहते हैं। सभी पार्टी के लोग मदद के लिए तैयार हैं, इसके बाद भी आपने उधर नजर डालने की कोशिश नहीं की। ऐसा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और प्रधानमंत्री का रवैया है।'

उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी हमले में घायल लोगों से मिलने श्रीनगर गये लेकिन श्री मोदी सर्वदलीय बैठक में नहीं आये हैं जबकि सबसे बड़ा देश हैं बाद में पार्टी हैं इसके लिए सब लोगों को एक होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के बनाए संविधान की वजह से एक चायवाला व्यक्ति आज देश का प्रधानमंत्री है और उनके जैसा (खड़गे) आदमी जो एक मिल वर्कर का बेटा है वह नेता विपक्ष एवं कांग्रेस अध्यक्ष बन सकता है। अगर संविधान रहेगा तभी प्रधानमंत्री और अन्य पदों पर बना जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस देश में सबसे श्रेष्ठ संविधान है जिसके तहत ही हमारा लोकतंत्र चलता है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा के विशेष सत्र में मृतकों को दी गई श्रद्धांजलि

फारुक अब्दुल्ला ने भी गैलरी में बैठकर देखी कार्यवाही

-आदिल शाह के बलिदान को सदन ने किया नमन

जम्मू (एजेंसी)। पहलगाम में आतंकी हमले को ध्यान में रखते हुए जम्मू-कश्मीर विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र सोमबार को बुलाया गया। सत्र के प्रारंभ में समस्त विधायकों ने 22 अप्रैल को बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले में मारे गए समस्त लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखा। इस विशेष सत्र की कार्रवाई को नेशनल कॉन्फ्रेंस के संरक्षक फारूक अब्दुल्ला ने भी विजिटर गैलरी में बैठकर देखी।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र में केंद्र शासित प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और एनसी नेता सुरेंद्र चौधरी ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करते हुए प्रस्ताव पेश किया।

विधानसभा में पेश प्रस्ताव में कहा गया, कि यह सदन पहलगाम आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का पूरी तरह से समर्थन करता है। 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में निर्दोष नागरिकों पर किए गए बर्बर और अमानवीय हमले पर यह सदन गहरा दुःख व्यक्त करता है। इस जघन्य और कायराना हमले की साफ तौर पर निंदा करता है। इस तरह के आतंकी हमले कश्मीरियत के चरित्र, हमारे संविधान में निहित मूल्यों तथा एकता, शांति और सद्भाव की भावना पर सीधा हमला है, जो लंबे समय से जम्मू-कश्मीर और हमारे देश की विशेषता रही है। इसके आगे प्रस्ताव में कहा गया, कि यह सदन पीड़ितों और उनके परिजनों के साथ पूरी एकजुटता के साथ खड़ा है। उन सभी लोगों के प्रति हम अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं जिन्हें अपूर्णीय क्षति हुई है। हम उनके दुख को साझा करने और उनकी जरूरत की घड़ी में उनका साथ देने के अपने सामूहिक संकल्प की पुष्टि करते हैं। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर विधानसभा में प्रस्तुत प्रस्ताव में कहा गया, कि यह सदन शहीद सैयद आदिल हुसैन शाह के सर्वोच्च बलिदान को नमन करता है, जिन्होंने पर्यटकों को बचाने की खातिर बहादुरी से प्रयास करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए।

भारत-पाकिस्तान के टेंशन में हुई तालिबान की एंट्री, काबुल में हुई मीटिंग से खौफ में शहबाज-मुनीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। काबुल में भारत और तालिबान की मीटिंग के बाद पाकिस्तान में दहशत का माहौल है। पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच भारत और अफगानिस्तान ने घुपचुप मीटिंग कर ली है। 22 अप्रैल की तारीख अब इतिहास के पन्नों में पाकिस्तान की काली करतूत के रूप में दर्ज हो चुकी है। ये वे पन्नों होंगे जो पाकिस्तान के जघन्य अपराधों को भविष्य में दुनिया के सामने रखेगा कि वो आखिर कैसे दूसरे देशों को परेशान करता है। आर्तकिस्तान की फैक्ट्री कहे जाने वाला पाकिस्तान एक बार फिर बेनकाब हो गया है। वहीं अब अफगानिस्तान के इस्लामिक अमीरात के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि भारतीय विशेष दूत आनंद प्रकाश ने सोमवार को अफगानिस्तान के इस्लामिक अमीरात (आईईए) के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी से मुलाकात की और राजनीतिक संबंधों, व्यापार, पारगमन सहयोग और क्षेत्रीय विकास को मजबूत करने पर चर्चा की। दोनों नेताओं के बीच बैठक में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और आर्थिक तथा कूटनीतिक दोनों क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

आनंद प्रकाश की आमिर खान मुत्ताकी के साथ यह बैठक भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच हुई है, क्योंकि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान ने पाकिस्तान के साथ अपने कूटनीतिक संबंधों को कमतर कर दिया है। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें से ज्यादातर पर्यटक थे। चर्चा के दौरान, विदेश मंत्री मुत्ताकी ने अफगानिस्तान और भारत के बीच कूटनीतिक और आर्थिक संबंधों के विस्तार के महत्व को रेखांकित किया।

अफगानिस्तान में निवेश के लिए सकारात्मक माहौल पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने भारतीय निवेशकों को उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया, खासकर उन क्षेत्रों में जहां अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय सहयोग और विशेषज्ञता की तलाश कर रहा है। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि आर्थिक विषयों के अलावा, विदेश मंत्री मुत्ताकी ने दोनों देशों के बीच लोगों के बीच संपर्क को सुविधाजनक बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने व्यापारियों, चिकित्सा सेवा चाहने वाले रोगियों और शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों के लिए वीजा जारी करने की प्रक्रिया को सामान्य बनाने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया, जिससे द्विपक्षीय संबंधों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और राष्ट्रों के बीच अधिक विश्वास पैदा होगा।

भारतीय विशेष दूत आनंद प्रकाश ने अफगानिस्तान के साथ अपने संबंधों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की, विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने के बारे में आशा व्यक्त की। उन्होंने अफगानिस्तान को अपनी सहायता जारी रखने के भारत के इरादे को दोहराया। उन्होंने बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में निवेश करने में रुचि व्यक्त की, जिसमें विकास

पहलों को फिर से शुरू करना शामिल है, जैसा कि प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है। बैठक का समापन दोनों पक्षों द्वारा द्विपक्षीय जुड़ाव को बढ़ावा देने, अधिक गतिशीलता की सुविधा के लिए वीजा प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, आधिकारिक प्रतिनिधिमंडलों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और विभिन्न आर्थिक, शैक्षिक और विकास-संबंधी क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के महत्व पर जोर देने के साथ हुआ।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत-पाक़ के बीच तनाव चरम पर पहुंचा

(लेखक - एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं)

। गुरुवार रात पाक आर्मी ने लाइन ऑफ कंट्रोल पर स्मॉल आर्म फायरिंग की, जिसका भारतीय सेना ने माकूल जवाब दिया। दूसरी तरफ पूरी रात अलग अलग जगहों पर फायरिंग की आवाज गूंजती रही।भारतीय सेना पूरे एलओसी परअलर्ट है। सूत्रों के मुताबिक हाई अलर्ट में सभी अहम पदों पर तैनात लोग हर वक्त उपलब्ध रहते हैं। क्विक रिएक्शन टीम का रिस्पॉन्स टाइम कम हो जाता है। यानी कुछ भी होने पर तुरंत उसपर एक्शन होता है। सभी असेस्ट्स एकदम रेडी होते हैं। राशन का रिजर्व स्टॉक 7 से 15 दिन का पूरी तरह सुनिश्चित हो जाता है।यह अलग अलगयूनिट में अलग अलग होता है क्योंकि सबकी लोकेशन और भौगोलिक स्थिति अलग होती है।

- सभी मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए एडवाइज़री ज़ारी- जम्मू सरकारी मेडिकल, स्टाफ,दवाइयां,उपकरण तैयार रखने के आदेश ज़ारी

वैश्विक स्तरपर अब दुनियाँ के हर देश की ऐसी विचारधारा हो गई है कि,भारत अब दम रखता है, वैश्विक निर्णयों में हस्तक्षेप,अर्थव्यवस्था में दखल औरअंतरराष्ट्रीय मंचों पर दमक व विकसित देशोंमें पैठ के चलते पहलगाम हमले नें मानों सोए शेर को जगा दिया है, या यूं कहें कि दुश्मन ने मधुमक्खियां के छत्ते में हाथ डाला है तो अंजाम तो भुगतना पड़ेगा ही, हालांकि भारतीय फौजी नेता या विशेषज्ञों ने सीधे तौर पर कोई बयान नहीं दिया है परंतु मेरा मानना है कि बौद्धिक क्षमता में निपुण हर भारतीय अब समझ गया है कि सरकार अब पहलगाम हमले का जबरदस्त जवाब देने के मूड में है, क्योंकि हम देख रहे हैं कि सिंधु नदी जल, वीजा, वाघा बॉर्डर इत्यादि पर सख्त फैसलों के बाद जम्मू के अस्पतालों मेडिकल कॉलेजों को अलर्ट करना, भारतीय सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर रहना तथा दिनांक 26 अप्रैल 2025 को देर शाम सभी मीडिया चैनलों प्लेटफॉर्मों के लिए एडवाइजरी जारी करना यह किसी बड़ी कार्रवाई की ओर इशारा करता है,जिसपर पूरा विश्व नजरे गड़ाए बैठा है,क्योंकि पूरे अंतरराष्ट्रीय जगत ने आतंकवाद के खिलाफ़ भारत के पक्ष में पुणे समर्थन दिया है, इसीलिए किसी ठोस कार्रवाई की उम्मीद लगाना वाजबी भी है। चूँकि अंतरराष्ट्रीय जगत में भारत द्वारा पाक पर किसी सैन्य कार्रवाई या सर्जिकल स्ट्राइक की सुबसुबाहट हो रही है,पहलगाम हमले की जवाबीकार्रवाई पर सबकी नज़रें टिकी हुई है, तथा भारत-पाक ने सीमा पर तैनाती बढ़ाई है एवं केंद्र सरकार, विपक्ष, जम्मू कश्मीर सरकार, कश्मीरी आवाम हम साथ साथ हैं, वाली लाइन पर आ गए हैं, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारत पाक के बीच तनाव चरम पर पहुंचा, सभी मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए एडवाइजरी जारी, जम्मू सरकारी मेडिकल, स्टाफ, दवाइयां, उपकरण तैयार रखने के आदेश ज़ारी।

साथियों बात अगर हम सूचना प्रसारण मंत्रालय द्वारा सभी मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए एडवाइजरी जारी करने की करें तो, राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी मीडिया चैनलों, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण सलाह जारी की है। मंत्रालय ने निर्देश दिया है कि रक्षा अभियानों और सुरक्षा बलों की आवाजाही से संबंधित किसी भी जानकारी का सीधा प्रसारण न किया जाए। दरअसल, इससे पहले भी कई बार ऐसी घटनाओं को कवर करने को लेकर मीडिया पर सवाल उठ चुके हैं। ऐसे में प्रसारण मंत्रालय ने पहले ही मीडिया को सतर्क कर दिया है और सलाह दी है। एडवाइजरी में कहा गया है,राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में, सभी मीडिया प्लेटफॉर्म, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं से अनुरोध है कि वे सुरक्षा संबंधी अभियानों से जुड़े मामलों पर रिपोर्टिंग करते समय अत्यधिक जिम्मेदारी बरतें। मौजूदा कानूनों और विनियमों का सख्ती से पालन करें। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि संवेदनशील जानकारी का असावधानीपूर्वक प्रसारण राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाल सकता है। पुलवामा हमले के दौरान कुछ मीडिया चैनलों द्वारा सुरक्षा बलों की तैनाती और उनके ठिकानों की विस्तृत जानकारी प्रसारित करने पर सवाल उठे थे। विशेषज्ञों और रक्षा विश्लेषकों ने तर्क दिया था कि ऐसी जानकारी आतंकवादी समूहों तक पहुंच सकती है, जिससे सुरक्षा बलों के लिए जोखिम बढ़ जाता है।एडवाइजरी में कारगिल युद्ध, मुंबई आतंकवादी हमले और कंधार विमान अपहरण जैसी पिछली घटनाओं का हलवा दिया गया है।मंत्रालय की यह सलाह इन घटनाओं से सबक लेते हुए उठाया गया कदम माना जा रहा है। यह दिशानिर्देश न केवल रक्षा अभियानों की गोपनीयता सुनिश्चित करेगा, बल्कि जनता में अनावश्यक भय और अफवाहों को भी रोकेगा।मंत्रालय नेमीडिया से अपील की है कि वे केवल सत्यापित और प्रामाणिक जानकारी ही साझा करें। यह सलाह सोशल मीडिया उपयोग कर्ताओं के लिए भी महत्वपूर्ण है, जो अक्सर अनजाने में संवेदनशील जानकारी साझा कर देते हैं। मंत्रालय ने सभी से जिम्मेदार और सुरक्षित सूचना प्रसार की अपील की है, ताकि राष्ट्रीय सुरक्षा से कोई समझौता न हो। देशहित में मीडिया चैनल लाइव कवरेज करते हुए सावधानी बरतें। एडवाइजरी में 8 निर्देश दिए गए हैं। (1) राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में, सभी मीडिया प्लेटफॉर्म्स, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया यूजर्स को सलाह दी जाती है कि वे अत्यंत जिम्मेदारी के साथ काम करें और रक्षा व अन्य सुरक्षा से संबंधित अभियानों की रिपोर्टिंग करते समय मौजूदा कानूनों और नियमों का सख्ती से पालन करें। (2) विशेष रूप से- रक्षा अभियानों या बलों की गतिविधियों से संबंधित किसी भी प्रकार का रियल-टाइम कवरेज,लाइव प्रसारण,या सूत्रों परआधारित जानकारी का प्रकाशन नहीं किया जाना चाहिए, संवेदनशील जानकारी का समय से पहले खुलासा करने से शत्रुतापूर्ण तत्वों को मदद मिल सकती है और इससे अभियानों की प्रभावशीलता और सुरक्षा बलों के कर्मियों की सुरक्षा को खतरा हो सकता है। (3) पिछले घटनाक्रमों ने जिम्मेदार रिपोर्टिंग के महत्व को रेखांकित किया है। कारगिल युद्ध, मुंबई आतंकवादी हमले (26/11), और कंधार अपहरण जैसी घटनाओं के दौरान, अनियंत्रित कवरेज का राष्ट्रीय हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था। (4) मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म और पर्सनल यूजर राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कानूनी दायित्वों के अलावा, यहहमारी सामूहिक नैतिक जिम्मेदारी भी है कि हम अपनी कार्रवाइयों से जारी अभियानों या सुरक्षा बलों की सुरक्षा से समझौता न करें। (5) सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय पहले ही सभी टीवी चैनलों को केबल टेलीविजन नेटवर्क (संशोधन) नियम, 2021 के नियम 6(1) (श्र) का पालन करने की सलाह दे चुका है। नियम 6(1) (श्र) कहता है कि, कोई भी कार्यक्रम केबल सेवा में प्रसारित नहीं किया जाएगा जिसमें किसी भी सुरक्षा बल द्वारा किए जा रहे किसी भी आतंकवाद विरोधी अभियान का लाइव कवरेज शामिल हो, जहां मीडिया कवरेज को केवल सरकार द्वारा नामित अधिकारी द्वारा समय-समय पर ब्रीफिंग तक सीमित रखा जाएगा, जब तक कि ऐसा अभियान समाप्त नहीं हो जाता (6) यह ऐसा प्रसारण केबल टेलीविजन नेटवर्क (संशोधन) नियम, 2021 का उल्लंघन है और इसके तहत कार्रवाई के लिए उत्तरदायी है। इसलिए, सभी टीवी चैनलों को सलाह दी जाती है कि वे राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में किसी भी आतंकवाद विरोधी अभियान और सुरक्षा बलों की गतिविधियों का लाइव कवरेज न करें। मीडिया कवरेज को सरकार द्वारा नामित अधिकारी द्वारा समय-समय पर की गई ब्रीफिंग तक सीमित किया जा सकता है, जब तक कि अभियान समाप्त न हो जाए। (7) सभी हितधारकों से अनुरोध है कि वे सतर्कता, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ रिपोर्टिंग जारी रखें, और राष्ट्र की सेवा में उच्चतम मानकों को बनाए रखें। (8) यह आदेश मंत्रालय के सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति से जारी किया गया है।

साथियों बात अगर हम पर पहलगाम आतंकी हमले पर दोनों देशों की फौज़े हाई-अलर्ट पर होने की करें तो,बता दें, पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाक दोनों की फौजें हाई अलर्ट पर हैं। गुरुवार रात पाक आर्मी ने लाइन ऑफ कंट्रोल पर स्मॉल आर्म फायरिंग की, जिसका भारतीय सेना ने माकूल जवाब दिया। दूसरी तरफ पूरी रात अलग अलग जगहों पर फायरिंग की आवाज गूंजती रही।भारतीय सेना पूरे एलओसी परअलर्ट है। सूत्रों के मुताबिक हाई अलर्ट में सभी अहम पदों पर तैनात लोग हर वक्त उपलब्ध रहते हैं। क्विक रिएक्शन टीम का रिस्पॉन्स टाइम कम हो जाता है। यानी कुछ भी होने पर तुरंत उसपर एक्शन होता है। सभी असेस्ट्स एकदम रेडी होते हैं। राशन का रिजर्व स्टॉक 7 से 15 दिन का पूरी तरह सुनिश्चित हो जाता है।यह अलग अलगयूनिट में अलग अलग होता है क्योंकि सबकी लोकेशन और भौगोलिक स्थिति अलग होती है।हर यूनिट के पासजितना गोला-बारूद होना चाहिए वह चेक होता है और सुनिश्चित होता है कि संभावित स्थितियों के हिसाब से सभी तैयारीहो,अंतरराष्ट्रीय जगत में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को मजबूती से समर्थन की घोषणा करता लगा हुआ है,इसलिए सर्जिकल स्ट्राइक की सुबसुबाहट बन रही है, हमले की निंदा करने वालों मैं खुद कश्मीर की आम जनता भी शामिल हो गई है,पहलगाम हमले के बाद भारत-पाक के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है।

संपादकीय

पाक ने पाप स्वीकारे

पाक पोषित आतंकवादियों द्वारा अंजाम दिए गए पहलगाम के खौफनाक आतंकी हमले ने पूरी दुनिया के सामने पाकिस्तान को बेनकाब कर दिया है। भारत तथा अंतर्राष्ट्रीय दबाव के आगे लाचार हुए पाकिस्तान के सत्ताधीशों ने स्वीकार किया कि वे पिछले तीस साल से आतंक की फसल सींच रहे थे। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि पिछले तीस साल से पाक आतंकवादी तैयार करने का काम कर रहा था। साथ ही उन्होंने यह भी सफाई दी कि पाकिस्तान ने ये गंदा काम अमेरिका व ब्रिटेन जैसे देशों के कहने पर किया। सवाल यह है कि क्यों पाक ने एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में अपने नैतिक दायित्व का पालन नहीं किया? यह तथ्य किसी से छिपा नहीं कि पाकिस्तान ये काली करतूतें डॉलर की भूख मिटाने के लिये कर रहा था। साथ ही वह दुनिया के इस्लामी देशों का नेतृत्व हासिल करने के लिये इस कट्टरपंथ की फसल सींच रहा था। उसने पूरी दुनिया को दहलाने के लिये अपने आतंकी निर्यात किए। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की यह स्वीकारोक्ति भारत द्वारा लंबे समय से लगाये जा रहे उन आरोपों की पुष्टि ही है, जिसमें पाक को आतंक की पाठशाला बताया गया था। भारत ने पूरी दुनिया को मुंबई के भीषण हमले, संसद पर हुए हमले तथा पुलवामा से लेकर उड़ी तक की आतंकवादी घटनाओं में पाक की संलिप्तता के सबूत बार-बार दिए, लेकिन अमेरिका व उसके सहयोगी देशों ने इसे अनदेखा ही किया। निश्चित रूप से एक राष्ट्र के रूप में पाकिस्तान की विफलता जग-जाहिर हो गई है। पुलवामा हमले के बाद भारतीय कार्रवाई के जवाब में परमाणु बम से हमले की धमकी, सिंधु नदी को रक्त से भरने तथा कश्मीर मुद्दे के अंतर्राष्ट्रीयकरण जैसे अनाप-शनाप बयानों से स्पष्ट है कि वैश्विक व्यवस्था के प्रति पाक की क्या सोच है। इससे भी शर्मनाक घटना ब्रिटेन में सामने आई, जहां पाक उच्चायोग के सामने प्रदर्शन करने वाले भारतीयों को एक पाकिस्तान राजनयिक गला काटने का इशारा करता सूचना माध्यमों में नजर आया। उक्त राजनयिक पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा सलाहकार के रूप में तैनात है। निश्चय ही यह राजनयिक स्तर पर एक शर्मनाक घटना है। साथ ही बताती है कि कैसे पाक सेना के उच्चाधिकारी एक जिहादी संगठन के सदस्य जैसा व्यवहार कर रहे हैं। इससे पाकिस्तानियों में भारतीयों के प्रति भरी घृणा ही उजागर होती है। भारत को इन तमाम मामलों को वैश्विक मंच पर उठाकर पाक पर कार्रवाई के लिये दबाव बनाना चाहिए। दुनिया को बताना चाहिए कि पुलवामा हमले से पहले कैसे पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने कट्टरपंथियों जैसा भड़काऊ बयान दिया था। जिसके कुछ समय बाद ही पहलगाम जैसा भयानक आतंकी हमला सामने आया। बहरहाल, पाक आज पूरी दुनिया के सामने बेनकाब हुआ है। भारत को दुनिया को बताना चाहिए कि किस तरह पाकिस्तान दुनिया की शांति के लिये खतरा बना हुआ है। जिसको सख्त आर्थिक प्रतिबंधों के जरिये आतंक से दूरी बनाने के लिये बाध्य किया जाना चाहिए। निश्चय ही अब पाक को सबक सिखाने का वक्त आ गया है।

महान गणितज्ञ जूल्स हेनरी पोंकारे

(लेखक - संजय गोस्वामी)

जूल्स हेनरी पोंकारे का जन्म 29 अप्रैल, 1854 को नैन्सी में हुआ था पोंकारे का परिवार पढ़ा लिखा और प्रसिद्ध था। उनके चचेरे भाई रेमंड फ्रांस के राष्ट्रपति और प्रधान मंत्री थे, और उनके पिता लियोन नैन्सी विश्वविद्यालय में चिकित्सा के प्रोफेसर थे। उनकी बहन एलाइन ने अध्यात्मवादी दार्शनिक एमिल बुट्रोक्स से शादी की।

पोंकारे ने पेरिस में खनन इंजीनियरिंग, गणित और भौतिकी का अध्ययन किया। 1881 से शुरू होकर, उन्होंने पेरिस विश्वविद्यालय में पढ़ाया। वहाँ उन्होंने भौतिक और प्रायोगिक यांत्रिकी, गणितीय भौतिकी और संभाव्यता के सिद्धांत, और आकाशीय यांत्रिकी और खगोल विज्ञान के अध्यक्षों का पद संभाला। अपने वैज्ञानिक करियर की शुरुआत में, 1879 के अपने डॉक्टरेट शोध प्रबंध में, पोंकारे ने अंतर समीकरणों द्वारा परिभाषित कार्यों के गुणों का अध्ययन करने का एक नया तरीका तैयार किया,पोंकारे एक विज्ञान और गणित के फ्रांसीसी दार्शनिक होने के साथ-साथ एक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और गणितज्ञ भी थे। गणित की नींव में उन्होंने परम्परावाद के पक्ष में, औपचारिकता के विरुद्ध, तर्कवाद के विरुद्ध और कैंटर के अपने नए अनंत सेटों को मानवीय सोच से स्वतंत्र मानने के विरुद्ध तर्क दिया। पोंकारे ने गणित के लिए एक उचित रचनात्मक आधार में अंतर्ज्ञान की आवश्यक भूमिका पर जोर दिया। उनका मानना था कि तर्क विश्लेषणात्मक सत्यों की एक प्रणाली थी, जबकि अंकगणित इन शब्दों के कांट के अर्थ में संश्लेषणात्मक और पूर्वोक्त था। गणितज्ञ प्रमाण की जाँच करने के लिए तर्क के तरीकों का उपयोग कर सकते हैं, लेकिन उन्हें प्रमाण बनाने के लिए अंतर्ज्ञान का उपयोग करना चाहिए, उनका मानना था।

उन्होंने कहा कि गैर-यूक्लिडियन ज्यामिति यूक्लिडियन ज्यामिति जितनी ही वैध हैं, क्योंकि सभी ज्यामिति परंपराएँ या 卐छिपी हुई卐 परिभाषाएँ हैं। हालाँकि सभी ज्यामितियाँ भौतिक स्थान के बारे में हैं, लेकिन एक ज्यामिति को दूसरों के ऊपर चुनना अर्थव्यवस्था और सरलता का मामला है, न कि झूठे लोगों के बीच सही को खोजने का मामला। पोंकारे के लिए, विज्ञान का उद्देश्य व्याख्या करने के बजाय भविष्यवाणी करना है। हालाँकि हर वैज्ञानिक सिद्धांत की अपनी भाषा या वाक्यविन्यास होता है, जिसे परंपरा के अनुसार चुना जाता है, लेकिन यह परंपरा का मामला नहीं है कि वैज्ञानिक कथन तथ्यों से सहमत नहीं होता प्रयोग आवश्यक होता है । उदाहरण के लिए गुरुत्वाकर्षण को न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत के अनुसार परिभाषित किया जाए या नहीं, लेकिन यह सिद्धांत का मामला नहीं है कि गुरुत्वाकर्षण एक ऐसा बल है जो आकाशीय पिंडों पर कार्य करता है या ऐसा करने वाला एकमात्र बल है। इसलिए, पोंकारे का मानना था कि वैज्ञानिक नियम में परंपराएँ हैं लेकिन मनमाने नियम नहीं हैं किसी ठोस वैज्ञानिक आधार जरूर है ।

पोंकारे का वैज्ञानिक प्रेरण के बारे में एक विशेष रूप से दिलचस्प दृष्टिकोण था। उन्होंने कहा कि नियम अनुभव के प्रत्यक्ष सामान्यीकरण नहीं हैं; वे ग्राफ़ पर बिंदुओं का मात्र सारांश नहीं हैं। बल्कि, वैज्ञानिक नियम को कुछ प्रक्षेपित वक्र के रूप में घोषित करना होता है जो कमोबेश वक्र होता है और इसलिए उनमें से कुछ बिंदुओं को छोड़ के पहले और आखिरी बिंदु से जो नतीजा मिलता है उसे वैज्ञानिक सिद्धांत पर माना जाए । इस प्रकार एक वैज्ञानिक सिद्धांत अनुभव के डेटा द्वारा सीधे तौर पर गलत साबित नहीं होता है; इसके बजाय, मिथ्याकरण प्रक्रिया अधिक अप्रत्यक्ष होती है। उन्होंने न केवल ऐसे समीकरणों के अभिन्न भाग को निर्धारित करने के सवाल का हल किया, बल्कि इन कार्यों के सामान्य ज्यामितीय गुणों का अध्ययन करने वाले पहले व्यक्ति भी थे। उन्होंने स्पष्ट रूप से देखा कि यह विधि सौर मंडल की स्थिरता जैसी समस्याओं के समाधान में उपयोगी थी, जिसमें सवाल ग्रहों की कक्षाओं के गुणात्मक गुणों के बारे में है (उदाहरण के लिए, कक्षाएँ नियमित हैं या अव्यवस्थित?) और गुरुत्वाकर्षण समीकरणों के संख्यात्मक समाधान के बारे में नहीं। अंतर समीकरणों पर अपने अध्ययन के दौरान, पोंकारे ने लोबाचेव्स्की की गैर-यूक्लिडियन ज्यामिति का उपयोग किया। बाद में, पोंकारे ने खगोलीय यांत्रिकी पर उन तरीकों को लागू किया जो उन्होंने अपने डॉक्टरेट शोध प्रबंध में पेश किए थे। सौर मंडल की स्थिरता पर उनके शोध ने अराजक नियतात्मक प्रणालियों के अध्ययन का द्वार खोल दिया; और उनके द्वारा उपयोग की जाने वाली विधियों ने बीजगणितीय टोपोलॉजी को जन्म दिया। पोंकारे ने सापेक्षता के विशेष सिद्धांत का एक प्रारंभिक संस्करण तैयार किया और कहा कि प्रकाश का वेग एक सीमा वेग है और द्रव्यमान गति पर निर्भर करता है। उन्होंने सापेक्षता का सिद्धांत तैयार किया, जिसके अनुसार कोई भी यांत्रिक या विद्युत चुम्बकीय प्रयोग एकसमान गति की स्थिति और विश्राम की स्थिति के बीच अंतर नहीं होता है, और उन्होंने लोरेंट्ज़ परिवर्तन को प्राप्त किया। उनका मौलिक प्रमेय कि प्रत्येक पृथक यांत्रिक प्रणाली एक सीमित समय [पोंकारे पुनरावृत्ति समय] के बाद अपनी प्रारंभिक स्थिति में लौट आती है, एन्ट्रॉपी पर कई दार्शनिक और वैज्ञानिक विश्लेषणों का स्रोत है। अंत में, उन्होंने स्पष्ट रूप से समझाया कि क्वांटम सिद्धांत का शास्त्रीय भौतिकी कितना आधुनिक है। पोंकारे विज्ञान के दर्शन और गणित की नींव में गहरी रुचि रखते थे। उन्होंने परंपरावाद के लिए और औपचारिकता और तर्कवाद दोनों के खिलाफ तर्क दिया। कैंटर का सेट सिद्धांत भी उनकी आलोचना का विषय था। उन्होंने गणितीय तर्क की दार्शनिक व्याख्या पर कई लेख लिखे। अपने जीवनकाल में उन्होंने कई लेख प्रकाशित किए।बर्ट्रेंड रसेल और गोटलोब फ़्रीज जैसे तर्कशास्त्रियों का मानना था कि गणित मूल रूप से प्रतीकात्मक तर्क की एक शाखा है, क्योंकि उनका मानना था कि गणितीय शब्दावली को केवल तर्क की शब्दावली का उपयोग करके परिभाषित किया जा सकता है और क्योंकि, शब्दों के इस अनुवाद के बाद, किसी भी गणितीय प्रमेय को तर्क के प्रमेय के पुनर्कथन के रूप में दिखाया जा सकता है। पोंकारे ने इस तर्कवादी कार्यक्रम पर आपत्ति जताई। वह एक अंतर्ज्ञानवादी थे जिन्होंने गणित की नींव में मानव अंतर्ज्ञान की आवश्यक भूमिका पर जोर दिया। पोंकारे के अनुसार, गणितीय इकाई की परिभाषा इकाई के आवश्यक गुणों का विवरण नहीं है, बल्कि यह इकाई का निर्माण है; दूसरे शब्दों में, एक वैध गणितीय परिभाषा अपने उद्देश्य को बनाती है और उचित ठहराती है।

(चिंतन-मनन)

धन का भार

पाटलिपुत्र में नाभिकुमार की गिनती सबसे संपन्न लोगों में होती थी। लेकिन अपार धन-संपत्ति होते हुए भी उन्होंने कभी दान नहीं दिया था। कई लोगों ने उन्हें इस बारे में कहा था पर उन्होंने ध्यान नहीं दिया। एक रात उनके घर चोर ने सेंध लगाई। उसने सावधानी से घर का कीमती सामान एकत्र किया और उसकी एक बड़ी पोटली बनाई। पोटली सिर पर रखते ही वह गिर गई और आवाज होते ही नाभिकुमार की आंखें खुल गईं।

ह चोर के पास आए और पोटली उठाने में उसकी मदद करने लगे। चोर को डर से कांपते हुए देखकर नाभिकुमार ने उससे कहा-डरो मत, तुम यह सब ले जा सकते हो। मगर तुम भी मेरे ही जैसे लगते हो। मैंने भी अपने जमा धन से किसी और के लिए कुछ नहीं निकाला। इसलिए मेरा धन भी मुझ पर भार की तरह है। अगर तुम भी मेरी तरह नहीं करते और पोटली में से थोड़ा सामान निकाल लिए होते तो तुम्हारे लिए इसे उठाना आसान हो जाता। खैर, तुम अब यह सामान ले जा सकते हो। चोर यह सुनकर दंग रह गया।

उसने प्रायश्चित करने के उद्देश्य से कहा- आप यह सब वापस ले लीजिए और मुझे क्षमा कीजिए। नाभिकुमार ने कहा- तुम्हें एक ही शर्त पर क्षमा किया जा सकता है। तुम इसमें से कुछ धन ले लो और कोई काम-धंधा शुरू कर दो। इस प्रकार मेरा धन परोपकार के काम में लग जाएगा और तुम्हारा जीवन भी सुधर जाएगा। चोर ने वैसा ही किया। नाभिकुमार उस दिन से हर किसी की सहायता करने लगे।

विचार मंथन

जो काम अंग्रेज नहीं कर पाए थे वह पिछले 10 सालों में हो गया

(लेखक - सनत जैन)

वरिष्ठ पत्रकार राहुल देव की पीड़ा सोशल मीडिया में देखने को मिली। वर्तमान परिपेक्ष में जो हालात हैं। उसकी गहरी चिंता को उजागर करती है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम की बेरसन घाटी में हुए आतंकी हमले के बाद जिस प्रकार भारत में कुछ संगठनों ने नफरत और विभाजन का नैरेटिव खड़ा करना शुरू कर दिया है, उससे गृह युद्ध जैसी स्थितियां पैदा होने के अंदेशा होने लग गया है। जो सामाजिक असंवेदनशीलता का परिचायक है। जिस तरह की घटनाएं हो रही हैं, उसको देखते हुए देश के सामूहिक सोच और विवेक पर भी प्रश्नचिह्न लगने लगा है। उन्होंने पीड़ा व्यक्त करते हुए कड़े शब्दों में कहा, उनके बहुत से पूर्व मित्र अब धार्मिक भेदभाव को लेकर 'भेड़िए' बन गए हैं। कैसे प्रति हिंसा की आग में अपने ही अपनों को नोचने लगे हैं। इस सोच ने घर-घर में लोगों को एक दूसरे के खिलाफ खड़ा कर दिया है। उनका यह आक्रोश व्यक्तिगत नहीं, बल्कि व्यापक स्तर पर राष्ट्रीय चिंतन की अभिव्यक्ति है। पहलगाम में आतंकी हमले की घटना के बाद जिस तरह की स्थितियां भारत मे निर्मित हो रही हैं, उसको लेकर भारत जैसे विशाल और विविधता भरे देश के लिए, इस कठिन समय पर सामूहिक संयम और विवेक की सबसे अधिक जरूरत है।

आतंकवादी हमलों का उद्देश्य केवल जान-माल की क्षति नहीं होता। आतंक का उद्देश्य केवल सत्ता तक पहुंचना भी नहीं होता है। आतंकवाद सामाजिक ताने-बाने को तोड़ने का भी काम करता है। पाकिस्तान सीधे-सीधे कभी भारत से मुकाबला नहीं कर सकता है। इसे खुद पाकिस्तान बेहतर जानता है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान प्रयोजित आतंकवाद ने जिस तरह से धर्म पूछ कर निर्दोष लोगों की हत्या की है, वह निंदनीय है और सख्त से सख्त सजा की हकदार है। भारत में जिस तरह से पिछले कई वर्षों में मुस्लिम समुदाय को लेकर कुछ अतिवादी हिंदू संगठनों द्वारा सार्वजनिक रूप से प्रदर्शन किया गया है, वह पाकिस्तान जैसे देश के लिए एक हथियार बन गया है। भारत में यदि हिंदू-मुस्लिम के नाम से झगड़े होते हैं। गृह युद्ध जैसी स्थिति होती है। इसमें नुकसान भारत का ही होना है। पाकिस्तान जो चाहता था, वही भारत के हिंदूवादी संगठन कर रहे हैं। पाकिस्तान समर्थित आतंकियों की यह सुनियोजित कोशिश थी। भारत के भीतर हिन्दू-मुस्लिम विभाजन को गहरा किया जाए। दुर्भाग्य से देश के भीतर कुछ तत्व पाकिस्तान की इस साजिश का आवेश में आकर या जानबूझकर हिस्सा बनते दिखाई दे रहे हैं। राहुल देव ने कहा पाकिस्तान ने जो चुनौती पहलगाम में पर्यटकों की हत्या करके दी है, उसका मुकाबला हम पाकिस्तान के तरीके से नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा भारत के पढ़े-लिखे वर्ग में वही मानसिकता देखने को मिल रही है, जो तथाकथित राष्ट्रवाद की आड़ में नफरत फैलाने का काम कर रहे हैं। यह स्थिति चिंताजनक है। सामाजिक और राजनीतिक नेतृत्व भी इस ज़हर के खिलाफ मुखर नहीं हो रहे हैं, जिसके कारण और भी स्थिति भयावह हो रही है। जब समाज का पढ़ा-लिखा तबका और जिम्मेदार लोग ही भड़काऊ विचार विमर्श का हिस्सा बन जाएंगे, तब देश का भविष्य क्या होगा। भारत भी पाकिस्तान के रास्ते पर चल पड़ा है। भारत में यह खतरा मंडराने लगा है। आज आवश्यकता है, हम सभी भारतवासी आतंकवाद का जवाब राष्ट्रीय एकजुटता से दें। भारत की ताकत, उसकी विविधता और सामाजिक सौहार्द्र में है। यदि हम आतंकियों के जाल में फंसकर एक-दूसरे के खिलाफ खड़े हो जाएंगे, तो यह देश के दुश्मनों के मंसूबों को मजबूत करेगा। यह चेतावनी केवल शब्द नहीं है, यह समय की पुकार है। इस संकट के समय गुस्से को, विवेक से नियंत्रित करना होगा। नफरत के जाल में नहीं फंसना होगा। हम सभी को यह याद रखना होगा, भारत तब तक अजेय रहेगा, जब तक हम भीतर से अखंड रहेंगें। जो काम भारत में अंग्रेज नहीं कर पाए थे। हिंदू मुस्लिम की एक जुटता से हम अंग्रेजों को भारत से भागने में कामयाब हो पाए थे। पिछले तीन-चार दशकों में हिंदू मुसलमान के बीच मतभेद पैदा कराके आज हम जिस तेजी से आगे बढ़ चले हैं, वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह कहा जा सकता है। जो काम अंग्रेज नहीं कर पाए थे। वह हमने स्वयं करके दिखा दिया है। सत्ता में बने रहने के लिए जिस तरह से आतंक का सहारा लिया जा रहा है। यह भारत के लिए बड़ी चुनौती है। नफरत की खेती भारत में सत्ता पाने के लिए शुरू हुई थी। वह चरम पर पहुंच गई है। इसका हश्र क्या होगा, इसको लेकर सभी ओर चिंता देखने को मिल रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिका-चीन ट्रेड वॉर का प्रभाव अब चीनी कंपनियों तक

चीनी कंप नियों ने हजारों कर्मचारियों को भेजा घर

नई दिल्ली। अमेरिका-चीन ट्रेड वॉर का प्रभाव अब चीनी कंपनियों तक पहुंच गया है। हालात इतने बिगड़ गए हैं कि चीन के बड़े एक्सपोर्ट फैक्ट्रियों पर ताले लगने लगे हैं और हजारों कर्मचारियों को घर भेजा जा चुका है। टैरिफ के दबाव में आकर खिलौने, खेल का सामान और सस्ते प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनियों ने उत्पादन ठप कर दिया है। गोल्डमैन सैक्स के मुताबिक, अमेरिका को निर्यात करने वाले सेक्टर में काम कर रहे 1 से 2 करोड़ चीनी कर्मचारियों की नौकरियों पर अब गहरा संकट मंडरा रहा है। कंपनियां नए बाजारों की तलाश में भटक रही हैं, जिससे वैश्विक व्यापार समीकरणों में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। चीन की कई कंपनियां अब अमेरिका पर निर्भर नहीं रहना चाहतीं। वे यूरोप, लैटिन अमेरिका और भारत जैसे बाजारों की तरफ रुख कर रही हैं। कुछ कंपनियां भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया में मैन्युफैक्चरिंग यूनिट खोलने पर भी विचार कर रही हैं।

भारत में एप्पल ऐप स्टोर ने 2024 में बिलिंग व बिक्री से कमाया मुनाफा

नई दिल्ली। भारत में एप्पल ऐप स्टोर परिवेश ने 2024 में डेवलपर बिलिंग और बिक्री से 44,447 करोड़ रुपये (5.31 अरब अमेरिकी डॉलर) अर्जित किए। कंपनी ने सोमवार को जारी एक नए अध्ययन में यह बात कही। भारतीय प्रबंधन संस्थान (अहमदाबाद) के एक प्रोफेसर द्वारा किए गए अध्ययन में सामने आया कि 4 प्रतिशत से अधिक राजस्व केवल डेवलपर और व्यवसायों से हासिल हुआ। इसमें एप्पल को कोई कमीशन नहीं दिया गया। अध्ययन के अनुसार पिछले पांच वर्षों में भारत स्थित डेवलपर की वैश्विक आय तीन गुना बढ़ी है, जो ऐप स्टोर द्वारा प्रदान किए जाने वाले जबरदस्त व्यावसायिक अवसर व वैश्विक पहुंच को उजागर करती है। ऐप्पल के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने मी डिया से बातचीत में कहा` कि ऐप स्टोर भारत और दुनिया भर के डेवलपर के लिए एक आर्थिक चमत्कार रहा है और हम उनके काम का समर्थन करने को उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि यह अध्ययन भारत की अविश्वसनीय रूप से जीवंत ऐप अर्थव्यवस्था की शक्ति को रेखांकित करता है। उन्होंने कहा` कि हम सभी स्तर के डेवलपर की सफलता में निवेश जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं, क्योंकि वे ऐसे ऐप बनाते हैं जो महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं और साथ ही लोगों के जीवन को समृद्ध बनाते हैं।

नागर विमानन मंत्री ने देश में रखरखाव व मरम्मत करने का किया आह्वान

नई दिल्ली। भारतीय नागर विमानन मंत्री राममोहन नायडू ने सोमवार को देश में ही विदेशों में किए जाने वाले रखरखाव व मरम्मत कार्यों को बढ़ाने के प्रयासों का आह्वान किया। मंत्री ने एआई इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड (एआईईएसएल) द्वारा आयोजित 'एविएशन होराइजन 2025' सम्मेलन में यह बात कही। नायडू ने बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय मरम्मत व रखरखाव इकाइयों की हिस्सेदारी केवल 14 प्रतिशत थी, जिसे 2030 तक 50 प्रतिशत तक बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने इसके साथ ही कहा कि भारतीय मरम्मत व रखरखाव क्षेत्र में श्रम-प्रधान कार्यों के बजाय बौद्धिक संपदा और नवाचारों के सृजन के प्रयास किए जाने चाहिए। भारत विश्व के सबसे तेजी से बढ़ते नागर विमानन बाजारों में से एक है और इसके मरम्मत व रखरखाव खंड की मान्यता 1.8 अरब अमेरिकी डॉलर है। नायडू ने बताया कि 2030 तक हवाई यात्रियों की संख्या 30 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है और अगले पांच वर्षों में 50 और हवाई अड्डे बनाए जाएंगे। मंत्री ने देश के विमानन क्षेत्र की क्षमता का उल्लेख करते हुए कहा कि 20 वर्षों में 200 और हवाई अड्डे बनाने की योजना है। उन्होंने बताया कि भारत विमानन क्षेत्र में बौद्धिक संपदा और नवाचारों के प्रयोग को बढ़ावा देने की जरूरत है ताकि देश का नागर विमानन बाजार और भी मजबूत हो सके।

भारत में एप डेवलपर्स की आय पांच साल में तीन गुना हुई

मुंबई।

भारत में एप स्टोर इकोसिस्टम ने 2024 में डेवलपर बिलिंग और बिक्री में 44,447 करोड़ रुपए (5.31 बिलियन डॉलर) की सुविधा प्रदान की। इसकी जानकारी सोमवार को एक नई स्टडी से सामने आई है। स्टडी में सामने आया कि एप्पल को बिना कोई कमीशन दिए 94 प्रतिशत से अधिक का व्यापारिक लाभ केवल डेवलपर्स और विभिन्न आकार के कारोबार को मिला। कंपनी ने कहा, बीते पांच वर्षों में, भारत स्थित डेवलपर्स की वैश्विक आय तीन गुना हुई है, जो एप स्टोर द्वारा पेश किए जाने वाले जबरदस्त कारोबारी मौकों और वैश्विक पहुंच को दिखाता है। एप्पल के सीईओ टिम कुक ने कहा, एप स्टोर भारत और दुनिया भर के डेवलपर्स के लिए एक आर्थिक चमत्कार रहा है और हम उनके काम को सपोर्ट करने के लिए बेहद खुश हैं। यह स्टडी भारत की अविश्वसनीय वाइब्रेंट एप इकोनॉमी की शक्ति को दिखाती है। हम सभी डेवलपर्स की सफलता में निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं क्योंकि वे इसतरह के एप बनाते हैं जो महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं और लोगों के जीवन को समृद्ध बनाते हैं।

स्टडी भारत में एप स्टोर इकोसिस्टम को आकार देने वाले प्रमुख कारकों पर एक नजर डालती है। इसमें फूड डिलिवरी, ट्रैवल, गेमिंग और एंटरटेनमेंट जैसे सेक्टर में बढ़ते एप इस्तेमाल की बात की गई है। 2024 में ऐप स्टोर डेवलपर्स ने भौतिक वस्तुओं और सेवाओं की बिक्री से कुल बिलिंग और बिक्री में 38,906 करोड़ रुपए (4.65 बिलियन डॉलर), इन-एप विज्ञापन से 3,014 करोड़ रुपए (352.9 मिलियन डॉलर) और डिजिटल वस्तुओं और सेवाओं से 2,527 करोड़ रुपए (302 मिलियन डॉलर) कमाए। वर्ष 2024 में भारत के सक्रिय डेवलपर्स अलग-अलग रेंज की एप कैटेगरी जैसे गेम्स, हेल्थ, फिटनेस, लाइफस्टाइल और यूटिलिटी को लेकर सफल रहे। वर्ष 2024 में इंडिया-बेस्ड डेवलपर्स की एप स्टोर आय का 80 प्रतिशत देश के बाहर के यूजर्स के जरिए आया और 87 प्रतिशत डेवलपर्स मल्टीपल स्टोरफ्रंट पर सक्रिय थे। एप्पल ने कहा, इसतरह के एप जो कि इंडिया-बेस्ड डेवलपर्स ने तैयार किए थे, भारत के बाहर स्टोरफ्रंट में सबसे ज्यादा डाउनलोड होने वाली एप की कैटेगरी में दिखाई दिए हैं। इंडिया-बेस्ड डेवलपर्स के एप भारत के बाहर 70 स्टोरफ्रंट में टॉप 100 सबसे अधिक डाउनलोड किए गए एप में शामिल थे।

रुपया 12 पैसे की बढ़त के साथ 85.29 प्रति डॉलर पर

मुंबई।

विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि और पूंजी प्रवाह जैसे मजबूत घरेलू बुनियादी कारकों के समर्थन से रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 12 पैसे की बढ़त के साथ 85.29 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार वृद्धि रुपये को स्थिरता प्रदान करती है। हालांकि, भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने से रुपये पर दबाव पड़ सकता है क्योंकि इस तरह की भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं निवेशकों को सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर ले जाती हैं, जिससे उभरते बाजारों से निकासी होती है और रुपये जैसी स्थानीय मुद्राएं कमजोर होती हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 85.29 पर खुला, जो पिछले बंद भाव से 12 पैसे की बढ़त दर्शाता है। शुरुआती सौदों के बाद यह डॉलर के मुकाबले 85.42 के निचले स्तर पर आ गया। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.41 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.63 पर रहा।

अटारी-वाघा बॉर्डर बंद होने से व्यापार प्रभावित, ड्राई फ्रूट्स हुए महंगे

अफगानिस्तान से आने वाली सप्लाई की रोक लगने से आपूर्ति में गिरावट

मुंबई।

भारत-पाकिस्तान सीमा पर हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने अमृतसर के अटारी-वाघा बॉडर को अस्थायी रूप से बंद कर दिया है।` जिससे भारत और अफगानिस्तान के बीच होने वाले ड्राई फ्रूट्स से संबंधित व्यापार प्रभो वित हो रहा है। ड्राई फ्रूट्स का कारोबार खासकर प्रभावित हो रहा है, जहां अफगानिस्तान से आने वाली सप्लाई की रोक लगने के कारण उनकी आपूर्ति में अधिकतम गिरावट हो रही है। इस परिणामस्वरूप बाजार में ड्राई फ्रूट्स के दाम 10 से 15 फीसदी तक बढ़ गए हैं। यदि स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो आने वाले दिनों में यह कीमतें और भी बढ़ सकती हैं। अफगानिस्तान, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ईरान, और दक्षिण अफ्रीका से आने वाली ड्राई फ्रूट्स की आपूर्ति की मुख्य मंडियों में हलचल मच गई है, जिसका सीधा कारण अटारी-वाघा बॉर्डर की बंदिश है। इसके परिणामस्वरूप ज्यादातर प्रमुख ड्राई फ्रूट्स जैसे अंजीर, हींग, पिस्ता, किशमिश, जीरा, और मुनक्का इस समस्या का शिकार हो रहे हैं। अंजीर के दाम 200 रुपए प्रति किलो, पिस्ता के दाम 400-500 रुपए प्रति किलो, और किशमिश और मुनक्का के दाम 100 रुपए प्रति किलो तक बढ़ चुके हैं। आने वाले समय में इनकी कीमतें और बढ़ने की संभावना है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1005 , निफ्टी 289 अंक ऊपर आया

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से बाजार ऊपर आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,005 अंक करीब 1.27 फीसदी ऊपर आकर 80,218 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 289 अंक तकरीबन 1.20 फीसदी उछलकर 24,328 पर बंद हुआ। कारोबारी सत्र में हर क्षेत्र में खरीदारी हावी रही। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी खरीदारी का माहौल रहा। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 870 अंक करीब 1.62 फीसदी बढ़कर 54,440 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 129 अंक बढ़कर 0.78 फीसदी की बढ़त के साथ 16,676 पर बंद हुआ। आईटी क्षेत्र को छोड़कर करीब सभी इंडेक्स में खरीदारी हावी रही। वाहन, पीएसयू बैंक, फार्मा, मेटल, रियल्टी, उर्जा और इन्फ्रा शेयर सबसे ज्यादा ऊपर आये। सन फार्मा, टाटा स्टील, एसबीआई, एक्सिस बैंक, एमएंडएम, एलएंडटी, टाटा मोटर्स, आईसीआईसीआई बैंक, अदाणी पोर्ट्स और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर लाभ में रहे। वहीं एचसीएल टेक, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचयूएल, इटरनल (जोमैटो), नेस्ले और टीसीएसके शेयर गिरे। सभी शेयरों में से ज्यादा शेयर लाल निशान में बंद हुए। कारोबार के अंत में बीएसई पर 1,958 शेयर लाभ के साथ ही उछले जबकि 2,038 शेयर गिरे। जबकि 183 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। निफ्टी में रिकवरी देखने को मिली है और से शीर्ष स्तर के करीब बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स और निफ्टी 50 तेजी के साथ खुले। सेंसेक्स 100 से ज्यादा अंक चढ़कर 79,343.63 पर खुला। खुलते ही इसमें तेजी देखी गई। सुबह शुरुआत में सेंसेक्स 327.74 अंक चढ़कर 79,540.27 पर था। इसी नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी मजबूती के साथ 24,152.20 अंक पर खुला। सुबह यह 77.70 अंक की बढ़त लेकर 24,117.05 पर कारोबार कर रहा था। शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए थे। वहीं एशियाई बाजारों में तेजी देखी गई। एमएससीआई एशिया पैसिफिक इंडेक्स (जापान को छोड़कर) 0.1 फीसदी बढ़ा। जापान का

निक्केई 225 इंडेक्स 0.82 फीसदी और टॉपिक्स 1.11 फीसदी चढ़ा। साउथ कोरिया का कोस्पी 0.32 फीसदी बढ़ा। निवेशक चीन से संभावित आर्थिक प्रोत्साहन उपायों और अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता के घटनाक्रम पर नजर रखे हुए हैं। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुए। अमेरिका-चीन व्यापार विवाद में नरमी के संकेतों से निवेशकों में भरोसा बढ़ा। डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 20.10 अंक की बढ़त के साथ 40,113.50 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स 40.44 अंक चढ़कर 5,525.21 पर रहा। नैस्डैक कंपोजिट 216.90 अंक उछलकर 17,382.94 पर बंद हुआ।

भारत में सीएफ मोटो की नई अफॉर्डेबल बाइक के साथ होगी वापसी

अफॉर्डेबल मोटरसाइकिलों के साथ भारतीय बाजार में रीएंट्री की योजना

नई दिल्ली।

सीएफ मोटो कंपनी जल्द ही अपनी नई अफॉर्डेबल मोटरसाइकिलों के साथ भारत में वापसी करने वाली है। सीएफ मोटो की योजना भारतीय बाजार में अपनी सीएफ मोटो 45 एमटी एडवेंचर मोटरसाइकिल के साथ एंट्री करने की है, जो भारतीय बाजार में कंपनी की दूसरी इनिंग होगी। कंपनी ने मकिना मोटो एक्सपो 2025 में अपनी सीएफ लाइट रेंज का ऐलान किया है, जो बजट ब्रांड के तहत दुनियाभर में लॉन्च की जाएगी। पिछले कुछ सालों में, सीएफ मोटो ने चीन और अन्य विकसित बाजारों में प्रीमियम बाइक्स को लॉन्च किया है, जिनमें 300सीसी और उससे ऊपर के इंजन वाले मॉडल्स शामिल हैं। कंपनी का मानना है कि एंट्री-लेवल प्रीमियम मोटरसाइकिलों का एक बड़ा बाजार है, लेकिन इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित करना चाहती है कि इसकी प्रतिष्ठित सीएफ मोटो ब्रांड की छवि प्रभावित न हो। इसी कारण, सीएफ मोटो ने अपनी नई सीएफ लाइट रेंज पेश करने का निर्णय लिया है, जिसमें 250एनके लाइट, 250 एसआर लाइट और डुअल 230 बाइक्स शामिल हैं। ये सभी बाइक्स भारतीय बाजार में निर्मित की जाएंगी। 250एसआर लाइट और 250 एनके लाइट में 249 सीसी के सिंगल-सिलिंडर लिक्विड-कूल्ड इंजन होंगे, जो करीब 27बीएचपी और 22 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करेंगे। जबकि डुअल 230 में 223 सीसी का एयर-कूल्ड इंजन लगाया जाएगा। हालांकि, कंपनी का ध्यान भारतीय बाजार में 450 सीसी और उससे ऊपर के सेगमेंट पर ज्यादा रहेगा।

सीमा ट्रेड युद्ध- चीन के नेताओं ने कमजोर किया ट्रंप का प्रभाव

बीजिंग। चीन के नेताओं ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार युद्ध के संभावित प्रभाव को कमतर आंकते हुए कहा कि उनके पास नौकरियों की रक्षा करने और चीनी निर्यात पर उच्च शुल्क से होने वाले नुकसान को सीमित करने की क्षमता है। सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन किए। इनमें की गईं बातों से प्रतीत होता है कि सरकार का मकसद कंपनियों तथा बेरोजगारों का समर्थन करना, आसान ऋण शर्तों और चीन से अमेरिकी आयात पर 145 प्रतिशत तक के शुल्क के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए अन्य नीतियों के वादों के साथ विश्वास को बढ़ाना है। पिछले सप्ताह चीन के शक्तिशाली पोलिट ब्यूरो की बैठक हुई थी। इसके बारे में विश्लेषकों ने कहा था कि बैठक में निर्यात में मंदी के बावजूद वृद्धि को पटरी पर बनाए रखने के उपायों पर ध्यान केंद्रित किया गया था। ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स की एक प्रमुख अर्थशास्त्री ने रिपोर्ट में कहा` कि चीनी नीति निर्माता अत्यधिक सावधानी के साथ काम कर रहे हैं। अमेरिका और चीन के नेता शी चिनफिंग के बीच यदि कोई बातचीत हुई है तो उसकी स्थिति को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। ट्रंप ने पिछले सप्ताह कहा था कि वह शुल्क के मुद्दे पर चीनी सरकार के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रहे हैं जबकि अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट ने कहा कि वार्ता अभी शुरू होनी है।

ट्रंप टैरिफ से संकट में आई चीनी कंपनियों की भारत से उम्मीद

निर्यातकों को दिया यूएस ऑर्डर पूरा करने का प्रस्ताव

नई दिल्ली।

अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी टैरिफ से प्रभावित कुछ चीन आधारित कंपनियाँ अब भारतीय निर्यातकों से संपर्क कर रही हैं। इसका उद्देश्य है कि वे अपने अमेरिकी ग्राहकों के लिए ऑर्डर पूरा कर सकें और वैश्विक ट्रेड वॉर के दबाव में भी अपने ग्राहकों को नया विकल्प प्रदान कर सकें। ब्लूमबर्ग ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि गुआंगझोउ में चल रहे कैंटन फेयर में कई भारतीय कंपनियाँ चीनी कंपनियों के साथ संपर्क स्थापित कर रही हैं। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशंस के महानिदेशक ने बताया कि ये चीनी कंपनियां भारतीय फर्मों से अपने अमेरिकी ग्राहकों को माल सप्लाई करने की प्रस्तावित बातचीत कर रही हैं। अमेरिका में अधिकांश चीनी निर्यातों पर लगाए जा रहे 145 फीसदी के टैरिफ के बदले, भारत से अमेरिका भेजे जाने वाले सामान पर फिलहाल 10 फीसदी का टैक्स लगाया जा रहा है। पूरी टैरिफ पॉलिसी में बदलाव करने की संभावना है जिसे अगर डॉनल्ड ट्रंप 90 दिन के अंतराल के बाद लागू करते हैं, तो यह टैक्स 26 फीसदी तक बढ़ सकता है। पिछले कार्यकाल में चीनी निर्यातकों को टैरिफ का सामना करना पड़ा जब अमेरिकी ट्रेड वॉर शुरू हुआ था,

उस समय कई कंपनियों ने दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों की ओर मुड़ किया था। अब वियतनाम जैसे देशों पर भी टैरिफ लगा दिया गया है, इससे भारतीय कंपनियों को नये अवसर मिल सकते हैं।

चीन की हुआवेई ने बनाया नया शक्तिशाली एआई प्रोसेसर

हुआवेई अमेरिकी चिप दिग्गज एन विडिया से कर सकता है मुकाबला

नई दिल्ली।

चीन की विश्वप्रसिद्ध कंपनी हुआवेई टेक्नोलॉजीज ने अपनी और सबसे शक्तिशाली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) प्रोसेसर का परीक्षण करने के लिए तैयारी में जुट गई है। इस नए एआई प्रोसेसर को एसेंड 910 डी नाम दिया गया है और इसकी तकनीकी व्यवहार्यता का परीक्षण मई के अंत तक हो सकता है। हुआवेई की तैयारी अमेरिकी चिप दिग्गज एने विडिया से टक्के कर लेने और उसके प्रोडक्टस में बदलाव करने की है। चीन इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए जल्द ही कदम बढ़ाने का निर्णय लिया है। अमेरिकी अधिकारियों ने साल 2022 में एने विडिया के एच 100 चिप की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया था, लेकिन हुआवेई ने उसके विकास को नकारा और अपनी तकनीकी दक्षता दिखाकर अमेरिकी चुनौतियों का मुकाबला किया है। चीनी कंपनी के एसेंड एआई प्रोसेसर के विकास से चीनी चिप्स दुनियाभर में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इन चिप्स का उपयोग अलग-अलग मोडल्स को ट्रेनिंग देने के लिए किया जा रहा है और इससे चीन की तकनीकी प्रगति में भी बढ़ोतरी हो सकती है।

हुआवेई ने अपनी तकनीकी दक्षता के साथ दुनिया में सबसे तेज इंटरनेट भी लॉन्च किया है। यह कंपनी अपने उत्कृष्ट उत्पादों के माध्यम से अमेरिकी प्रतिबंधों के खिलाफ अपनी मजबूती दिखा रही है।

देश के कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल महंगा

ब्रेंट क्रूड का भाव मामूली बढ़त के साथ 67.70 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लंबे समय से स्थिर हैं, लेकिन घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में बदलाव हो रहा है। सरकारी तेल कंपनियों ने सोमवार सुबह जारी तेल की खुदरा कीमतों में फिर बदलाव किया और आज यूपी, बिहार सहित देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतें बदल गई हैं. हालांकि, दिल्ली-मुंबई जैसे देश के महानगरों में तेल की कीमतों में बदलाव नहीं किया गया है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार यूपी के गौतम बुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 26 पैसे महंगा होकर 94.98 रुपये लीटर बिक रहा है। डीजल भी 30 पैसे चढ़ा और 88.13 रुपये लीटर पहुंच गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 26 पैसे गिरकर 94.39 रुपये और डीजल 30 पैसे टूटकर 87.45 रुपये लीटर हो गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 22 पैसे बढ़त के साथ 105.58 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 20 पैसे महंगा होकर 92.94 रुपये लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल की कीमतों में खास बदलाव नहीं आया है। ब्रेंट क्रूड का भाव मामूली बढ़त के साथ 67.70 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई का रेट भी उछाल के साथ 63.21 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है।

अक्षय तृतीया से पहले सोना-चांदी की कीमतों में गिरावट

सोने का भाव 95000 के नीचे लुढ़का, चांदी 96,000 के करीब

नई दिल्ली।

इस सप्ताह के पहले दिन सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव हल्की तेजी के साथ खुलने के बाद नरम पड़ गए। चांदी के भाव गिरावट के साथ खुले। सोमवार को सोने के भाव 94,900 रुपये, जबकि चांदी के भाव 95,800 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में गिरावट देखी जा रही है।

सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रैक्ट 8 रुपये की तेजी के साथ 95,000 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 94,992 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह 67 रुपये की गिरावट के साथ 94,925 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 95,000 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 94,903 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने पिछले सप्ताह 99,358 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रैक्ट 572 रुपये की नरमी के साथ 95,869 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 96,441 रुपये था। इस समय यह कॉन्ट्रैक्ट 641 रुपये की गिरावट के साथ 95,800 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 96,037 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 95,800 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 1,01,999 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने-चांदी के वायदा भाव के भाव में नरमी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 3,336.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,298.40 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 7.50 डॉलर की गिरावट के साथ 3,290.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव पिछले सप्ताह 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए थे। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 33.02 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 33.01 डॉलर था।

हालांकि इस समय यह 0.28 डॉलर की गिरावट के साथ 32.73 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राहुल पर भड़के विराट

नई दिल्ली।

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरू (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में शानदार अर्धशतक लगाकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। विराट इसी के साथ ही ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष पर पहुंच गये हैं पर इस मैच में वह के एल रोहुल से बहस के कारण भी चर्चाओं में आये हैं। इस मैच का एक वीडियो वायरल हुआ है, इसमें कोहली को राहुल के साथ बहस करते हुए देखा गया है। मैच में बल्लेबाजी करने के दौरान राहुल ने कुछ कहा जिससे विराट भड़क गये और दोनों के बीच बहस होने लगी। उस समय दोनो ही सामने सामने खड़े थे। प्रशंसकों ने इस बहस के कई वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किये हैं। इस मैच में जीत के साथ ही आरसीबी अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है। अब तक खेले गए 10 मैचों में उसके सबसे अधिक 14 अंक हैं। वहीं गुजरात टाइटंस की टीम 8 मैच में 6 जीत के साथ दूसरे नंबर पर है जबकि 10 मैच में 6 जीत दर्ज कर मुंबई इंडियंस की टीम तीसरे नंबर पर है।

आईपीएल में आज होगा केकेआर और दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला

नई दिल्ली।

आईपीएल में मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला अपने घरेलू मैदान पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से होगा। इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स की टीम जीत के साथ ही प्लेऑफ के लिए अपना स्थान पक्का करना चाहेगी। दिल्ली के अभी 12 अंक है ओर वह अंकतालिका में चौथे नंबर पर है, वहीं केकेआर की टीम 7 अंक के साथ ही सातवें नंबर पर है। इस प्रकार देखा जाये तो इस मैच में दिल्ली जीत की प्रबल दावेदार है। दिल्ली की टीम इस मैच में एक बार फिर जीत हासिल कर पिछले चार मैच में से दो में मिली हार से उबरना चाहेगी। दिल्ली की टीम की बल्लेबाजी अच्छी है। उसके पास के एल राहुल जैसा अनुभवी बल्लेबाज है। शीर्ष क्रम में अभिषेक पोरेल भी बल्लेबाजी कर रहे हैं। राहुल इस सत्र में दिल्ली के सबसे सफल बल्लेबाज रहे हैं हालांकि पिछले मैच में वह स्पिनरों के खिलाफ विफल रहेहे। ऐसे में उन्हें इस मैच में केकेआर के सुनील नरेन और वरुण चक्रवर्ती की अनुभवी स्पिन जोड़ी से सतर्क रहना होगा। दिल्ली को करुण नायर से भी अच्छी बल्लेबाजी की उम्मीद रहेगी। गेंदबाजी की कमान कप्तान अक्षर पटेल और तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क संभालेंगे। बीच के ओवरों में कुलदीप यादव पर बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी रहेगी। दिल्ली को अपने क्षेत्ररक्षण में भी सुधार करना होगा। आरसीबी के खिलाफ उसने कई अवसर छोड़े थे। वहीं दूसरी ओर केकेआर के अभी सिर्फ सात अंक हैं और टीम तालिका में सातवें स्थान पर चल रही है। टीम अपने पिछले तीन मैच में जीत दर्ज करने में विफल रही है, जिसमें दो में उन्हें हार मिली और एक मैच का परिणाम नहीं निकला। केकेआर को

प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए यह मैच हर हाल में जीतना होगा। आजिंक्य रहाणे की कप्तानी में उतरी केकेआर की राह आसान नहीं रही है। उसकी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ,सुनील नरेन और रहमानुल्लाह गुरबाज व अंगकृष रघुवंशी पर आधारित रही है। मध्यक्रम में वेंकटेश अय्यर, आंद्रे रसेल, रिंकू सिंह और रमनदीप सिंह अब तक विफल रहे हैं। टीम की गेंदबाजी वरुण के अलावा नरेन व वैभव अरोड़ा और हर्षित राणा संभालेंगे।

मुम्बई के पास 17 साल बाद खिताब जीतने का अवसर

मुम्बई।

मुम्बई इंडियंस टीम ने आईपीएल के 18 वें सत्र में खराब शुरुआत से उबरकर एक बार फिर प्लेऑफ की ओर कदम बढ़ाया है। इस प्रकार मुम्बई के पास 17 साल के बाद एक बार फिर खिताब जीतने का अच्छा अवसर है। इस सत्र में शुरुआती हार के बाद टीम ने लगातार जीत हासिल की हैं। उन्होंने इस सीजन में लगातार पांच मैच जीते हैं और अब प्लेऑफ में पहुंचने की अच्छी संभावना है। अगर वे क्वालीफाई करते हैं, तो वे आईपीएल खिताब जीतने के प्रबल दावेदार हो सकते हैं। मुम्बई का एक ही सत्र में लगातार छह जीत का रिकॉर्ड सीजन 2008 में आया था पर तब यह टीम न तो खिताब जीत पाई थी और न ही प्लेऑफ में ही पहुंच पाई थी। इसके बाद मुम्बई ने लगातार पांच जीत दर्ज की और हर बार फाइनल में प्रवेश किया। इन पांचों सत्र में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और चार बार खिताब जीतकर अपना प्रभाव दिखाया। फिलहाल प्लेऑफ में जाने वाली टीमों के

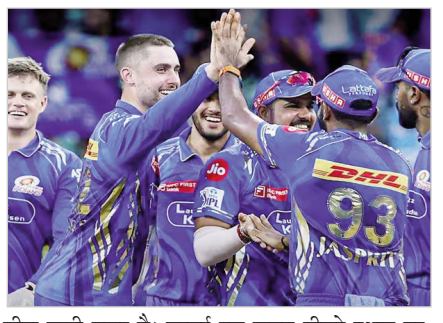

बीच कड़ी टक्कर है। मुम्बई इस समय तीसरे स्थान पर है और उसके 12 अंक हैं। वहीं शीर्ष पर मौजूद आरसीबी टीम के 10 मैचों में 14 अंक हैं। दूसरे स्थान पर मौजूद गुजरात टाइटंस के 8 मैचों में ही 12 अंक हैं। थे स्थान पर उपस्थित दिल्ली कैपिटल्स के 9 मैचों में 12 अंक हैं। ऐस में मुंबई इंडियंस के पास अवसर तो है पर शीर्ष-4 में बने रहने के लिए बाकी चार मैचों में भी पूरा ताकत लगानी होगी। मुम्बई की नजरें शीर्ष-2 स्थान पर होंगी।

मयंक की वापसी अच्छी रही: जहीर

समय के साथ तेजी भी हासिल कर लेंगे

नई दिल्ली।

पूर्व तेज गेंदबाज और लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मेंटॉर जहीर खान ने कहा है कि चोट के कारण लंबे समय बाद वापसी कर रहे तेज गेंदबाज मयंक यादव समय के साथ लय हासिल कर लेंगे। जहीर के अनुसार जैसे-जैसे वह मैच खेलेंगे वह पहले वाली रफ्तार भी हासिल कर लेंगे। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मयंक एक साल से भी अधिक समय से खेल से दूर रहे हैं। गत वर्ष अक्टूबर में भारतीय टीम की ओर से टी20 प्रारूप में पदार्पण करने के बाद उन्हें पीठ और पैर की उंगलियों की चोट से गुजरना पड़ा है। मयंक ने गत दिवस मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मैच में 40 रन देकर दो विकेट लेकर वापसी की। उन्होंने मुंबई इंडियंस के अनुभवी बल्लेबाज खिलाड़ी रोहित शर्मा और कप्तान हार्दिक पंड्या के विकेट लिए। ये दोनो ही 12 आर 05 रन ही बना पाये थे। इन्होंने 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार में गेंदबाजी की जो उनके सर्वश्रेष्ठ समय 150-155 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से कम है। जहीर ने मैच के बाद कहा, 'वापसी का इंतजार लंबा था और इतने महीनों के बाद खेल रहे किसी भी व्यक्ति के लिए खेल में वापसी करना हमेशा आसान नहीं होता है।' उन्होंने कहा, 'जिस तरह से उसने गेंदबाजी की उससे, मैं उससे खुश हूं। उसे खेल में बने रहना था। वह 20 ओवर तक क्रीज पर रहा। उसने चार ओवर गेंदबाजी की है। उसका प्रदर्शन हर मैच के साथ ही बेहतर होगा।'

भारत-पाकिस्तान दोनो टीमों से खेले हैं ये क्रिकेटर

मुम्बई।

क्रिकेट इतिहास को देखें तो 1940-50 के दशक में तीन क्रिकेटर ऐसे हैं। जिन्होंने भारत और पाकिस्तान दोनों के लिए ही खेला है। देश के बंटवारे से पहले अब्दुल हफीज कारदार, आमिर इलाही और गुल मोहम्मद जैसे क्रिकेटर भारतीय क्रिकेट टीम के लिए खेलते थे। ये सभी विभाजन के बाद पाकिस्तान चले गये थे। इनमें गुल ऐसे खिलाड़ी रहें हैं जिन्होंने रणजी ट्रॉफी में पूर्व भारतीय कप्तान विजय हजारे के साथ 319 रन की साझेदारी भी की थी। भारत से गये अब्दुल कारदार पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पहले कप्तान बने। उन्होंने 1952 से 1958 तक पाकिस्तान के लिए 23 टेस्ट खेले। जब 1952 में पाकिस्तान की टीम पहली बार भारत दौरे पर आई तो उसके कप्तान अब्दुल कारदार ही थे। वहीं इलाही ने आजादी से पहले भारत के लिए एक टेस्ट मैच खेला था। यह मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ था।

विभाजन के बाद इलाही भी पाक चले गये। उन्होंने 1952-53 में पाकिस्तान के लिए पांच टेस्ट खेले. आमिर इलाही पहले मीडियम पेसर थे और बाद में लेग-ब्रेक गेंदबाजी करने लगे थे। पाक जाने

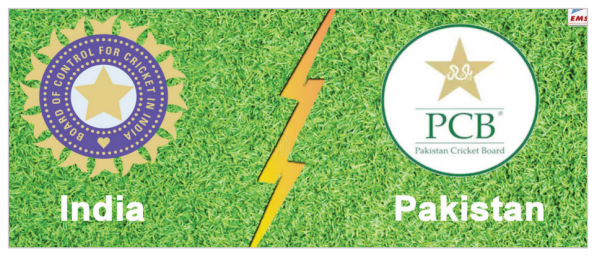

से पहले वह भारतीय घरेलू क्रिकेट में बड़ौदा के लिए खेलते थे। वहीं गुल मोहम्मद की कहानी अब्दुल कारदार और आमिर इलाही से थोड़ा अलग है। यह खिलाड़ी देश के बंटवारे के बाद भारत में ही रहा. गुल ने 1946 से 1952 तक भारत के लिए आठ टेस्ट खेले थे। इसके बाद वे टीम से बाहर हो गए। ऐसे में गुल साल 1955 में पाकिस्तान चले गए। इसके बाद उन्हें पाकिस्तान की क्रिकेट टीम में शामिल कर लिया गया पर वह पाक के लिए वे सिर्फ एक टेस्ट मैच ही खेल पाए। इस तरह वह कुल नौ टेस्ट ही खेल पाये उन्होंने 205 रन बनाए और दो विकेट लिए।

संक्षिप्त समाचार

विराट ने राहुल के ही अंदाज में जश्न मनाया

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में जीत के बाद उसी अंदाज में जश्न मनाया जिस प्रकार से राहुल ने एक सप्ताह पहले आरसीबी के खिलाफ जीत के बाद मनाया था। आरसीबी ने अब दिल्ली के खिलाफ मैच 7 विकेट से जीता है। इस मैच में आरसीबी की टीम एक समय मुश्किल में थी पर इसके बाद कोहली ने क्रुणाल पंड्या के साथ साझेदारी कर टीम को जीत दिलायी। विराट ने जीत के करीब पहुंचकर छक्का लगाने का प्रयास किया पर वह कैच हो गये। मैच समाप्त होने के बाद जब दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ी आपस में बात कर रहे थे। तब विराट बड़े प्यार से राहुल के पास गए और उन्होंने राहुल के ही अंदाज में जश्न मनाया। विराट ने इसके बाद राहुल को गले लगा लिया। कोहली जश्न के दौरान मुस्कुराते दिखे, राहल भी तब हंस रहे थे। इस मुकाबले से पहले पूर्व क्रिकेटर मो कैफ ने भी कहा था कि कोहली दिल्ली आकर राहुल को उन्हीं के अंदाज में जवाब देंगे जो सही साबित हुआ।

कुणाल का कमाल, कोहली का धीरज, बेंगलुरु टॉप पर

नई दिल्ली। आईपीएल के 46वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने दिल्ली कैपिटल्स को 6 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ टीम पॉइंट्स टेबल में पहले नंबर पर भी पहुंच गई। अरुण जेटली स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने बॉलिंग चुनी। दिल्ली ने 8 विकेट खोकर 162 रन बनाए। बेंगलुरु ने 19वें ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया। 163 रन के चेज में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 26 रन पर 3 विकेट गंवा दिए थे। यहां से विराट कोहली और क्रुणाल पंड्या ने चौथे विकेट के लिए 119 रन की पार्टनरशिप की और टीम को जीत दिलाई। क्रुणाल ने 73 और कोहली ने 51 रन बनाए। भुवनेश्वर कुमार ने 3 और जोश हेजलवुड ने 2 विकेट लिए।

मुंबई इंडियंस की लगातार पांचवीं जीत, बुमराह ने 4 विकेट लिए, सूर्यकुमार यादव और रायन रिकेलटन की फिफ्टी

मुंबई। मुंबई इंडियंस ने लगातार पांचवां मैच जीतकर आईपीएल प्ले ऑफ़ की तरफ कदम बढ़ा दिए हैं। मुंबई इंडियंस ने वानखेड़े स्टेडियम में लखनऊ सुपरजायंट्स को 54 रन से हरा दिया। लखनऊ ने बॉलिंग चुनी। मुंबई इंडियंस ने 7 विकेट खोकर 215 रन बनाए। जवाब में लखनऊ सुपरजायंट्स 161 रन ही बना सकी। मुंबई से जसप्रीत बुमराह ने 4 विकेट लिए, उन्होंने ही 16वें ओवर में 3 विकेट लेकर मैच मुंबई इंडियंस की झोली में डाला। ट्रेंट बोल्ट ने 3 और विल जैक्स ने 2 विकेट लिए। सूर्यकुमार यादव और रायन रिकेलटन दोनों ने फिफ्टी लगाई। लखनऊ से आवेश खान और मयंक यादव ने 2-2 विकेट लिए। आयुष बडोनी ने सबसे ज्याद 35 रन बनाए।

नीता अंबानी की पहल से 19 हजार बच्चों को मिला आईपीएल मैच देखने का अवसर

मुम्बई।

यहां मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच हुए मैच को देखने 19 हजार बच्चे भी पहुंचे थे। इन बच्चों को मैच देखने का ये अवसर मुम्बई इंडियंस की मालकिन नीता अंबानी के कारण मिला। मैच में आये इन सभी बच्चों ने नीले रंग में पोशाक पहनी हुई थी। नीता अंबानी ने सालाना एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स फॉर ऑल (ईएसए) दिवस पर बच्चों को ये सुविधा उपलब्ध करायी। नीता ने कहा, ÷यह केवल एक मैच नहीं है। यह उम्मीदों, सपनों और खुशी का अवसर है। यह पूरे सत्र का पसंदीदा मैच रहा। इसमें उन बच्चों को रहने का अवसर मिला जो कमजोर आर्थिक हालातों से आये हैं पर सारे के सारे बच्चे अपने आप में विशेष हैं। इनमें से अधिकांश ने पहली बार स्टेडियम में लाइव मैच देखा। यह देखना बहुत ही भावुक कर देने वाला है कि बच्चे कितनी खुशी से इसका आनंद ले रहे हैं। नीता अंबानी ने बच्चों से बातचीत की जो उनसे मिलकर बहुत खुश थे। बच्चों के साथ अपनी बातचीत के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, ÷एक छोटी लड़की ने कहा कि वह बुमराह जैसी बनना चाहती है और एक लड़का, वह सिर्फ रोहित शर्मा से हाथ मिलाना चाहता है। अगर उनकी उम्मीदें और आकांक्षाएं पूरी हो सकती हैं, तो वे सितारों तक पहुंच सकते हैं।÷ बच्चों के लिए

इस अनुभव को उन्होंने यादगार बताते हुए कहा है कि ईएसए का उद्देश्य शिक्षा और खेल के लिए सभी को अवसर उपलब्ध कराना है। मुझे लगता है कि बच्चे कक्षा में जितना सीखते हैं, उतना ही खेल के मैदान में भी सीखते हैं। मैच देखने का दिन इनकी उम्मीदों का दिन रहा। इन्हीं में से भविष्य के सितारे निकलेंगे। यह माता-पिता को भी बताने के लिए है कि बच्चों को अपनी पसंद के काम करने दें।÷ गौरतलब है कि ईएसए सीएसआर शाखा की एक प्रमुख पहल है, जिसे मुंबई इंडियंस के साथ मिलकर 2010 में लॉन्च किया गया था, इसका उद्देश्य सभी पृष्ठभूमि के बच्चों के लिए शिक्षा और खेल को सुलभ बनाना है।

प्रभसिमरन भरोसे पर खरे उतरे: सुनील जोशी

कोलकाता।

पंजाब किंग्स के स्पिन गेंदबाजी कोच सुनील जोशी ने सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह की जमकर प्रशंसा की है। कोच ने कहा कि प्रबंधन ने प्रभुसिमरन पर जो भरोसा दिखाया था। उसपर वह खरे उतरे हैं। इस क्रिकेटर ने अपनी क्षमताएं जाहिर की हैं। प्रभसिमरन ने केकेआर खिलाफ 49 गेंद पर 83 बनाये थे। जोशी ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह सब आत्मविश्वास से जुड़ा होता है। टूर्नामेंट से पहले वह अपनी बल्लेबाजी में बेहतर बनाने में सफल रहा। साथ ही कहा कि मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने बल्लेबाजी कोचिंग स्टाफ के साथ मिलकर जो प्रयास किये थे उसके अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। प्रभसिमरन ने सीमित ओवरों के प्रारूप में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। पिछले साल भी उन्होंने अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखी थी पर इस साल वह अधिक परिपक्व हो गए हैं और उनका आत्मविश्वास भी बढ़ गया है। प्रभसिमरन ने अपनी पारी के दौरान 49 गेंदों में छह चौकों और छह छक्कों की सहायता से 83 रन बनाये। उन्होंने 169.39 के स्ट्राइक रेट से ये रन बनाए हैं। इस सत्र में अब तक उन्होंने 9 पारियों में 32.44 के औसत से 292 रन बनाए हैं, जिसमें दो अर्धशतक भी शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 83 है। उन्होंने कुल मिलाकर 43 मैचों में उनके 24.37 के औसत और 151.88 के स्ट्राइक रेट से 1,048 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और पांच अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 103 रन रहा है।

ऋषभ पर भड़के प्रशंसक

नई दिल्ली। आईपीएल के इस 18 वें सत्र में लखनऊ सुपरजायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और वह एक ही मैच में अर्धशतक लगा पाये हैं। इससे उनके प्रशंसक बेहद नाराज हैं। इसका कारण है कि ऋषभ के खराब प्रदर्शन से टीम का प्रदर्शन भी प्रभावित हो रहा है। मुंबई इंडियंस के खिलाफ भी वह लापरवाही से एक गलत शॉट लगाकर आउट हो गये। इसके बाद से ही वह सोशल मीडिया पर जमकर ट्रॉल हुए हैं। यहां तक कि उनकी कप्तानी और टीम में रहने पर भी सवाल उठने लगे हैं। मुंबई ने इस मैच में अपने घरेलू मैदान पर पर टॉस जीतकर लखनऊ सुपरजायंट्स को 216 रनों का लक्ष्य दिया था। ऐसे में माना जा रहा था कि ऋषभ टिककर बड़ी पारी खेलेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। वह बाएं हाथ के स्पिनर विल जैक्स की गेंद पर आउट उन्होंने शॉर्ट थर्ड पर रिवर्स स्वीप के प्रयास में कैच आउट हुए। पेवेलिन लौटते समय वह निराश दिखे। ऋषभ को लखनऊ सुपरजायंट्स ने आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी रकम 27 करोड़ रुपये में खरीदा था पर वह अपने को साबित नहीं कर पाये।

सीएसके को टी20 क्रिकेट की वर्तमान शैली के साथ तालमेल बिठाना होगा: रायुडू

मुम्बई।

पूर्व क्रिकेटर अंबाति रायुडू ने आईपीएल के 18 वें सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम के खराब प्रदर्शन को लेकर कहा है कि उसे टी20 क्रिकेट की वर्तमान शैली के साथ तालमेल बिठाने के लिए और सतर्कता से खेलना होगा। रायुडू ने कहा है कि सीएसके अंतिम ग्यारह में बदलाव करने के बाद भी जीत हासिल नहीं कर पा रही है और यही कारण है कि अंक तालिका में सबसे नीचे 10वें स्थान पर है। रायुडू ने कहा कि यह सीएसके के लिए सबसे कठिन स्थिति है पर एक बड़ी सीख भी दे रही है। वह ये कि अगर आप पुरानी उपलब्धियों पर रुकते हैं और भविष्य की ओर नहीं देखते, तो ऐसा ही होता है। अब वे खेल के साथ विकसित होने को लेकर बहुत सतर्क होंगे।

कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने भी माना है कि खेल आगे बढ़ गया है और मुझे भरोसा है कि वह अगले सीजन के लिए टीम तैयार करने की योजना बना रहे होंगे। साथ ही कहा कि टीम के पास डेवाल्ट ब्रेविस और आयुष म्हात्रे जैसे उभरते सितारे होना सकारात्मक संकेत हैं। कभी-कभी असफलता ऐसी टीम को जगा देती है और याद दिलाती है कि खेल हमेशा बड़ा होता है। रायुडू ने सीएसके की बल्लेबाजी की लगातार कमजोरियों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि

शॉट चयन में कोई भ्रम नहीं है पर उसके बल्लेबाज पर्याप्त शॉट्स नहीं खेल रहे। वे जरूरत से ज्यादा समय ले रहे हैं। रायुडू ने आगे कहा कि टीम में बदलाव की जरूरत थी और अब हम इन मैचों को अगले सत्र के लिए एक तरह का ट्रायल देख रहे हैं। सीएसके अगले सत्र में अधिक खिलाड़ियों को बनाये नहीं रख पायेगा।

सुपरजायंट्स को प्लेऑफ में पहुंचने अब जीतने होंगे चार में से तीन मैच

मुम्बई।

मुम्बई इंडियंस के हाथों मिली हार के बाद अब लखनऊ सुपरजायंट्स टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। सुपरजायंट्स इस बार के बाद छठे नंबर पर खिसक गयी है। इस सत्र में अब तक उसे पांच हार मिली है। इसके अलावा उसका रनरेट भी -0.325 होने के कारण काफी नीचे चला गया है। ऐसे में अब उसे प्लेऑफ में पहुंचने बचे हुए चार में से कम से कम तीन मुकाबले जीतने होंगे। सुपरजायंट्स ने अपने शुरुआती 8 मैचों में से 5 में जीत हासिल की थी और ऐसे में 10 अंक के साथ ही वह शीर्ष 4 में थी और उसके प्लेऑफ की राज आसान नजर आ रही थी जो अब कठिन हो गयी है। उसके पिछले दो मैचों में लगातार हार का सामना करना पड़ा है। आईपीएल 2025 में अब तक 46 मैच खेले गये हैं। इन मैचों के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) टीम 14 अंक के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर है और उसका प्लेऑफ में पहुंचना तय है। वहीं गुजरात टाइटंस, मुंबई इंडियंस, दिल्ली कैपिटल्स 12-12 अंक लेकर दूसरे , तीसरे और चौथे नंबर पर हैं। पंजाब किंग्स भी 11 अंक लेकर प्लेऑफ की रेस में सुपरजायंट्स से आगे निकल गयी है। ऐसे में सुपरजायंट्स को प्लेऑफ में बने रहने बचे हुए चार में से कम से कम 3 मैच जीतने होंगे। अब उसे 4 मई कोपंजाब किंग्स के खिलाफ धर्मशाला जबकि 9 मई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ लखनऊ जबकि 14 मई को गुजरात टाइटंस के खिलाफ अहमदाबाद और 18 मई को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफा लखनऊ में खेलना है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गर्मी के मौसम में जरूर खाएं पोषक तत्वों से भरपूर आड़ू

दूर हो जाएंगी सेहत से जुड़ी ये समस्याएं

गर्मियों के मौसम में हेल्थ एक्सपर्ट्स अक्सर आड़ू खाने की सलाह देते हैं। ये मीठा और रसीला फल आपकी सेहत के लिए वरदान साबित हो सकता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि आड़ू में विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन ई, विटामिन के, फाइबर, पोटैशियम, मैग्नीशियम और फॉस्फोरस जैसे कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

सही मात्रा में और सही तरीके से आड़ू का सेवन कर आप अपनी गट हेल्थ को काफी हद तक सुधार सकते हैं। पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए आप इस फल को कंज्यूम कर सकते हैं। इसके अलावा गर्मियों में डिहाइड्रेशन के खतरे को कम करने के लिए भी आड़ू का सेवन किया जा सकता है। लू से बचने के लिए भी इस फल को कंज्यूम किया जा सकता है।

बूस्ट करे इम्यून सिस्टम

क्या आप कमजोर इम्यून सिस्टम की वजह से बार-बार बीमार पड़ जाते हैं? अगर हां, तो आपको आड़ू का सेवन करना शुरू कर देना चाहिए। आड़ू में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने में कारगर साबित हो सकते हैं। जोड़ों के दर्द से राहत पाने के लिए भी इस फल को डाइट प्लान में शामिल किया जा सकता है।

हार्ट हेल्थ के लिए फायदेमंद

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि आड़ू में पाए जाने वाले तत्व आपकी हार्ट हेल्थ को मजबूत बनाए रखने में असरदार साबित हो सकते हैं। सही मात्रा में और सही तरीके से आड़ू को कंज्यूम कर आप दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम कर सकते हैं। इसके अलावा अपनी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाने के लिए भी इस फल को डाइट प्लान का हिस्सा बनाया जा सकता है। कुल मिलाकर पोषक तत्वों से भरपूर ये फल आपकी ओवरऑल हेल्थ के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

लो बीपी की वजह से महसूस होती रहती है थकान तो खाएं ये फल

खराब लाइफस्टाइल और अनहेल्दी डाइट प्लान, लो ब्लड प्रेशर का मुख्य कारण हो सकते हैं। अगर आपने समय रहते इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया, तो आपके दिल की सेहत बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है। क्या आप पोषक तत्वों से भरपूर कुछ ऐसे फलों के बारे में जानते हैं, जिनका सेवन कर आप लो ब्लड प्रेशर की समस्या को काफी हद तक दूर कर सकते हैं? आपको भी इन फलों को अपने डाइट प्लान में जरूर शामिल करके देखना चाहिए।

फायदेमंद साबित होंगे ये फल

तरबूज में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व लो ब्लड प्रेशर को बढ़ाने में कारगर साबित हो सकते हैं। तरबूज का सेवन कर आप अपनी हार्ट हेल्थ को काफी हद तक मजबूत बना सकते हैं। तरबूज के अलावा लो ब्लड प्रेशर की समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप कीवी को भी अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बना सकते हैं। कीवी में पाए जाने वाले तत्व आपकी ओवरऑल हेल्थ के लिए भी फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

खा सकते हैं केला-संतरा

पोटैशियम रिच केला भी लो ब्लड प्रेशर की समस्या को दूर करने में मददगार साबित हो सकता है। केला खाकर आपको थकान और कमजोरी जैसी समस्याओं से भी काफी हद तक छुटकारा मिल सकता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि विटामिन सी रिच संतरे जैसा खट्टा फल भी लो ब्लड प्रेशर की समस्या को दूर कर सकता है।

गौर करने वाली बात

बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए इन फलों को सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम करना बेहद जरूरी है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि गलत तरीके से इन फलों को अपने डाइट प्लान में शामिल करने से आपकी सेहत पर पॉजिटिव की जगह नेगेटिव असर भी पड़ सकता है।

गर्मियों में पेट के लिए वरदान है सौंफ

खाते ही जलन-एसिडिटी को करता है दूर

गर्मियों में पेट से जुड़ी समस्याएं काफी परेशान करती हैं। जरा सा तेल मसालेदार खाना खाने से ही जलन, गैस और एसिडिटी होने लगती है। ऐसा लगता है कि खाने में सिर्फ ठंडी चीजों को ही शामिल करें। खाने के बाद जिनको ज्यादा ब्लोटिंग होती है उन्हें डाइट में कुछ घरेलू चीजों को शामिल करना चाहिए, जिससे गैस एसिडिटी कम हो। रसोई में रखी ऐसी कई चीजें हैं जिन्हें खाने से पेट की जलन और गैस एसिडिटी को कम किया जा सकता है। इसके लिए सौंफ बेहतरीन मसाला है। सौंफ खाने से पेट ठंडा रहता है। गर्मियों में खाने के बाद 1 चम्मच सौंफ खाने से डाइजेशन से जुड़ी समस्याएं नहीं होती हैं। जानिए कब और कैसे करें सौंफ का इस्तेमाल?

पेट की जलन दूर कर देगा ये मसाला

गर्मियों में सौंफ का सेवन जरूर करना चाहिए। सौंफ की तासीर ठंडी होती है। गर्मियों में कई ड्रिंक्स और दूसरी डिश में सौंफ का उपयोग किया जाता है। आप सुबह खाली पेट सौंफ का पानी पी सकते हैं। इससे पेट को ठंडक मिलेगी और जलन कम होगी। गैस एसिडिटी को भी सौंफ खाकर दूर किया जा सकता है।

कैसे करें सौंफ का सेवन

सौंफ को खाने के बाद ऐसे ही चबाकर खा सकते हैं। सौंफ और मिश्री मिलाकर भी खा सकते हैं। सौंफ को पीसकर पाउडर बना लें। पानी के साथ 1 चम्मच सौंफ का पाउडर खा लें। आप चाहें तो सौंफ का पानी भी पी सकते हैं। एसिडिटी बहुत ज्यादा बनने वालों को सुबह खाली पेट कुछ दिनों सौंफ का पानी पीना चाहिए।

सौंफ के फायदे

सौंफ का सेवन करने से पाचन मजबूत होता है। सौंफ में फाइबर भरपूर होता है जिससे डाइजेशन में मदद मिलती है।

सौंफ लिवर के लिए भी अच्छी मानी जाती है। सौंफ का सेवन करने से लिवर डिटॉक्स होता है। इससे शरीर में जमा गंदगी साफ हो जाती है।

सौंफ खाने से मेटाबॉलिज्म तेज होता है। इससे वजन घटाने में भी मदद मिलती है। शरीर पर जमा फैट कम होने लगता है।

पुरानी कब्ज की समस्या को दूर करने के लिए सौंफ का इस्तेमाल फायदेमंद साबित होता है। कब्ज से परेशान लोगों को सौंफ जरूर खानी चाहिए।

ब्लड प्रेशर को ठीक रखने में भी सौंफ मदद करती है। इससे बीपी कंट्रोल होगा और दिमाग भी शांत होगा।

सौंफ का सेवन फीड कराने वाली महिलाओं के लिए फायदेमंद माना जाता है। इससे स्ट्रेस लेवल भी कम होता है।

सेहत के लिए वरदान है एक कटोरी अनार

अनार में विटामिन सी, विटामिन के, पोटैशियम, आयरन, फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट्स पाए जाते हैं। इस तरह के पोषक तत्वों की वजह से अनार को सेहत के लिए वरदान माना जाता रहा है। जो लोग रेगुलरली अनार का सेवन करते हैं, वो सेहत से जुड़ी कई समस्याओं का शिकार बनने से बच सकते हैं। आइए अनार खाने के कुछ हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में भी जानकारी हासिल करते हैं।

किस समय खाना ज्यादा फायदेमंद?

अनार को ब्रेकफास्ट में शामिल करने की सलाह दी जाती है। सुबह-सुबह एक कटोरी अनार खाना आपकी सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। अगर आप अपनी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाना चाहते हैं, तो हर रोज नाश्ते में एक कटोरी अनार खाना शुरू कर दीजिए और महज कुछ ही हफ्तों में खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर देखिए।

बूस्ट करे इम्यून सिस्टम

अनार में पाए जाने वाले तत्व आपकी कमजोर इम्यूनिटी को काफी हद तक मजबूत बना सकते हैं। अगर आप कमजोर इम्यूनिटी की वजह से बार-बार बीमार पड़ जाते हैं, तो आपको अनार को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा जरूर बनाना चाहिए। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अनार को दिल की सेहत के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता रहा है।

क्या आप जानते हैं कि आप रेगुलरली अनार का सेवन कर अपनी गट हेल्थ को भी काफी हद तक सुधार सकते हैं? कब्ज जैसी पेट से जुड़ी समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप अपने डेली डाइट प्लान में अनार को शामिल कर सकते हैं। अनार आपकी मेमोरी को इम्प्रूव करने में भी

कारगर साबित हो सकता है। अनार आपकी सेहत के साथ-साथ आपकी त्वचा की रंगत को सुधारने का काम भी कर सकता है।

घटाना चाहते हैं वजन, तो इस तरीके से खाएं पपीता

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि पपीते में विटामिन सी, फोलेट, विटामिन ए, मैग्नीशियम, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। सही मात्रा में और सही तरीके से पपीते का सेवन कर आप मोटापे समेत सेहत से जुड़ी कई समस्याओं को अलविदा कह सकते हैं। आइए पपीते को डाइट प्लान का हिस्सा बनाने के सही तरीके के बारे में जानकारी हासिल करते हैं।

कैसे करें पपीते का सेवन?

आप पपीते को सलाद के तौर पर कंज्यूम कर सकते हैं। सुबह-सुबह खाली पेट पपीते का सेवन करना सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। वेट लॉस के लिए पपीते में नींबू डालिए और फिर कंज्यूम कर लीजिए। वजन घटाने के लिए आप इस फल की स्मूदी बनाकर भी पी सकते हैं। इस स्मूदी में दही और केले को भी एड किया जा सकता है।

बढ़ते हुए वजन पर पाएं काबू

लगातार बढ़ते हुए वजन पर काबू पाने के लिए पपीते का सेवन किया जा सकता है। पपीता खाकर आपकी बॉडी के मेटाबॉलिज्म को बूस्ट किया जा सकता है। अगर आप मोटापे से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो आप एक्सरसाइज करने के साथ-साथ हर रोज पपीते को कंज्यूम करना शुरू कर दीजिए। आपको महज एक ही महीने के अंदर खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर दिखाई देने लगेगा।

सेहत के लिए वरदान

गर्मियों में पपीते का सेवन करने से आपकी बॉडी में पानी की कमी को पैदा होने से रोका जा सकता है। दरअसल, पपीते में पाए जाने वाले तत्व आपके शरीर को हाइड्रेट करने में कारगर साबित हो सकते हैं। पपीता आपकी गट हेल्थ को सुधारकर पेट से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में भी मददगार साबित हो सकता है।

गर्मियों में ककड़ी खाने के फायदे

ककड़ी में विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन के, पोटैशियम और फाइबर जैसे कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। गर्मियों में ककड़ी का सेवन कर आप सेहत से जुड़ी कई समस्याओं को पैदा होने से रोक सकते हैं। आइए सही मात्रा में और सही तरीके से ककड़ी को कंज्यूम करने के कुछ जबरदस्त स्वास्थ्य लाभों के बारे में जानते हैं।

नहीं होगा डिहाइड्रेशन - रोज ककड़ी खाने की वजह से आपकी बॉडी हाइड्रेटेड रहेगी और आप गर्मियों में होने वाली डिहाइड्रेशन की समस्या से बच जाएंगे। ककड़ी को हड्डियों के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। इसके अलावा अगर आप अपनी बॉडी के मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर अपनी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाना चाहते हैं, तो भी ककड़ी को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बना सकते हैं। कुल मिलाकर ककड़ी आपकी ओवरऑल हेल्थ के लिए वरदान साबित हो सकती है।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद - ककड़ी में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपकी गट हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकते हैं। पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए ककड़ी का सेवन किया जा सकता है। ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल पर काबू पाने के लिए ककड़ी को डाइट प्लान का हिस्सा बनाया जा सकता है। ककड़ी आपकी सेहत के साथ-साथ आपकी त्वचा के लिए भी फायदेमंद मानी जाती है।

सेवन करने का तरीका- ककड़ी को आप सलाद में शामिल कर सकते हैं। अगर आपको सलाद के तौर पर ककड़ी का सेवन करना पसंद नहीं है, तो आप ककड़ी का जूस बनाकर भी पी सकते हैं। अगर आप चाहें तो ककड़ी का रायता भी बना सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत के वो निर्णय जिससे तिलमिला रहा पाकिस्तान, अब मचा घमासान

नई दिल्ली।

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले के बाद भारत ने जिस तरह से पाकिस्तान पर शिकंजा कसा है उससे पूरे पाकिस्तान में खलबली मच गई है। शहनवाज सरकार डरी हुई और सेना को समझ नहीं आ रहा है कि वो क्या करे। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ सरकार के एक और मंत्री ने कहा है कि पानी रोकने की किसी भी कोशिश को युद्ध का ऐलान माना जाएगा। साथ ही कहा है कि किसी भी आक्रामकता का जवाब मजबूती से दिया जाएगा। पाकिस्तान सरकार में सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने कहा, भारत राज्य समर्थित आतंकवाद में सीधे तौर पर शामिल है और हमारे पास उसकी गतिविधियों के सबूत हैं। रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने भारत पर पाकिस्तान में आतंकवादियों को फंड और हथियार देने के आरोप लगाए। उन्होंने चेतावनी दी, पाकिस्तान का पानी रोकने के किसी भी प्रयास को दुश्मनी में की गई कार्रवाई के रूप में देखा जाएगा। तरार ने कहा, वैश्विक आतंकवाद में भारत के शामिल होने की बात सभी को पता है और अपनी जमीन पर उसकी आतंकवादी गतिविधियों के सबूत हमारे पास हैं। जल संधि को लेकर तरार ने कहा, हम पाकिस्तान की पानी की सप्लाई रोके जाने के किसी भी फैसले को युद्ध की घोषणा मानेंगे।उन्होंने कहा, पाकिस्तान ने हमेशा अपनी संप्रभुता की रक्षा की है और किसी भी उकसावे की कार्रवाई पर निर्णायक प्रतिक्रिया दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, तरार ने आतंकवाद में भारत की भूमिका को लेकर कुलभूषण जाधव का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा, अगर हमने कुलभूषण जाधव को गिरफ्तार नहीं किया होता, तो ये तथ्य कभी सामने नहीं आ पाते। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने आतंकवाद के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की

है, लेकिन सवाल किया कि भारत ने जाफर ट्रेन कांड की निंदा क्यों नहीं की।

22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादियों ने बैसरन में वादियों का लुत्फ ले रहे 26 सैलानियों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके बाद से ही भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्ते तल्ख हो गए हैं।

सामने आया चीन का पाकिस्तान प्रेम, निष्पक्ष जांच का समर्थन किया

नई दिल्ली।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक रूसी समाचार एजेंसी को दिए इंटरव्यू में कहा कि चीन, रूस या पश्चिमी देश मिलकर एक इंटरनेशनल टीम बनाएं, ताकि यह जांच हो सके कि भारत सरकार जो कह रही है वह सच है या नहीं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी पूरी दुनिया से इसके बारे में बात की है। इस पूरे मामले में चीन ने पाकिस्तान का खुला समर्थन किया है। चीनी सरकार के मुखपत्र की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को पाकिस्तानी विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार के साथ फोन पर बातचीत के दौरान वांग यी ने निष्पक्ष जांच की शीघ्र शुरुआत का समर्थन किया और उम्मीद जताई कि दोनों पक्ष संयम बरतेंगे, एक-दूसरे की ओर बढ़ेंगे और तनाव कम करने के लिए काम करेंगे। वांग यी ने कहा कि आतंकवाद से मुकाबला करना सभी देशों की साझा जिम्मेदारी है और चीन लगातार पाकिस्तान की आतंकवाद विरोधी कार्रवाई का समर्थन करता है। यह पहली बार नहीं है जब चीन ने आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान का बचाव किया हो। संयुक्त राष्ट्र में भी चीन लगातार पाकिस्तान को आतंकवाद के आरोपों से बचाता आया है। अब पहलगाम हमले के मामले में भी चीन का यही रवैया सामने आया है। भारत ने बार-बार दुनिया को आगाह किया है कि पाकिस्तान आतंकवाद का पालक है, लेकिन चीन अपनी रणनीतिक हितों के चलते इस सच्चाई को अनदेखा करता रहा है। बता दें कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान ने चीन के साथ मिलकर नया मोर्चा खोलने की कोशिश शुरू कर दी है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने रूस और चीन से आग्रह किया है कि वे मिलकर एक अंतरराष्ट्रीय जांच समिति बनाएं जो इस हमले की सच्चाई सामने लाए। भारत की खुफिया एजेंसियों के मुताबिक, पहलगाम हमले में पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का हाथ था। हमले के तुरंत बाद इसके मुखौटा संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) ने जिम्मेदारी ली थी, लेकिन चार दिन बाद अचानक यह दावा वापस ले लिया गया। पाकिस्तान इस हमले में अपनी संलिप्तता को नकार रहा है और उल्टा भारत पर ही झूठे आरोप लगा रहा है।

क्या बिहार में युवाओं को टारगेट करने पीएम मोदी ने बदला अंदाज

जंगलराज और परिवारवाद से किया किनारा

पटना।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बिहार में हाल की यात्राओं ने राजनीतिक दृष्टिकोण से कई दिलचस्प पहलुओं को सामने रखा है। वर्ष 2025 में विधानसभा चुनावों से पहले पीएम मोदी ने बिहार की यात्रा को कई बार प्राथमिकता दी है, लेकिन पिछले कुछ समय में वे विपक्ष, खासकर राजद (राजद) के नेता लालू यादव और उनके परिवार के खिलाफ तीखा बयान देने से परहेज कर रहे हैं। बीते कुछ महीनों में प्रधानमंत्री मोदी ने भागलपुर और मधुबनी में आयोजित सभाओं में महत्वपूर्ण योजनाओं की शुरुआत की और स्थानीय नेताओं की तारीफ की। 24 फरवरी को भागलपुर में उन्होंने 24,000 करोड़ की योजनाओं का उद्घाटन किया था, जबकि 24 अप्रैल को मधुबनी में 13,000 करोड़ से ज्यादा की परियोजनाओं का शिलान्यास किया। जहां एक ओर 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार में लालू के परिवारवाद और जंगल राज को प्रमुख मुद्दा बनाया था, वहीं मधुबनी में उन्होंने लालू या उनके परिवार के खिलाफ कोई बयान नहीं दिया। इस बार उन्होंने विपक्ष पर हमलावर होने से परहेज कर पूरे भाषण में केंद्र द्वारा बिहार को दी गई योजनाओं और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तारीफ की। राजनीतिक पंडितों का मानना है कि पीएम मोदी अब यह समझ चुके हैं कि बिहार में नए युवा वोटरों के बीच जंगल राज और परिवारवाद जैसे मुद्दे ज्यादा कारगर साबित नहीं होने वाले हैं। 20 से 25 वर्ष की उम्र के युवा मतदाताओं ने इन घटनाओं को प्रत्यक्ष रूप से नहीं देखा है, लिहाजा इन मुद्दों पर आधारित प्रचार अब ज्यादा असरदार नहीं होगा। इसकारण वे अब इन विषयों से बच रहे हैं। पीएम मोदी ने बिहार विधानसभा चुनाव से पहले अपनी यात्राओं की संख्या बढ़ा दी है। मई महीने में वे दो बार बिहार का दौरा करने वाले हैं, जिसमें पटना और शाहाबाद क्षेत्र की योजनाएं शामिल हैं। ये वहीं इलाके हैं जहां 2019 के लोकसभा चुनाव में एनडीए को हार का सामना करना पड़ा था।

पीएम मोदी ने पाकिस्तानी आतंकवादियों को खत्म करने के लिए अवतार लिया

नौशेरा।

पहलगाम की बैसरन घाटी में हिंदू पर्यटकों के नरसंहार के बाद देश में गम, गुस्से और आक्रोश का माहौल है। हर ओर से बदला लेने की आवाज उठने लगी है। अब भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर स्थित आखिरी राम मंदिर के महंत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर बड़ी बात कही है। मंदिर के महंत ने कहा कि पीएम मोदी ने पाकिस्तानी आतंकवादियों को खत्म करने के लिए अवतार लिया है। नौशेरा में ठाकुर रामद्वारा मंदिर स्थित है। यह कंटीली तारों और सेना की चौकियों के बीच बना है। देश विभाजन के बाद 50 साल तक इस मंदिर के फाटक बंद रहे थे। मंदिर के महंत ने कहा कि जिस तरह भगवान राम ने राक्षसों का वध करने के लिए अवतार लिया था, ठीक उसी तरह पीएम मोदी ने भी पाकिस्तानी आतंकियों के खात्मे के लिए अवतार लिया है। उन्होंने कहा कि हमें यकीन है कि प्रधानमंत्री मोदी पहलगाम में हुए दर्द भरे हमले का बदला जरूर लेने वाले हैं। साल 1947, 1962, 1965, 1971 की लड़ाई और साल 1999 के बाद हुई फायरिंग (सीजफायर उल्लंघन) के बाद मंदिर में पूजा-अर्चना बंद कर दी गई थी। करीब 50 साल के बाद साल 2008 में मंदिर का पुनर्निर्माण हुआ। न पहले की लड़ाई में मंदिर को आंच आई थी और न ही साल 2008 के बाद राम मंदिर को कोई नुकसान हुआ।

चौंकाने वाली बात यह है कि मंदिर के करीब लाइव बॉम्ब और फायरिंग पाकिस्तान की ओर से लगातार होती थी। नौशेरा में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर बने मंदिर पर मोबाइल टावर भी पाकिस्तान के आते हैं। मतलब पाकिस्तानी मोबाइल कनेक्शन मंदिर के पास मौजूद रहता है। गांववाले भगवान राम के भरोसे ही रहते हैं। बता दें कि पहलगाम अटैक के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच माहौल काफी तनावपूर्ण हो चुका है।

(नई दिल्ली) बीजेपी अध्यक्ष का चुनाव टला जेपी नड्डा के पास ही रहेगी प्रेसिडेंट की कुर्सी

नई दिल्ली।

बीजेपी ने अभी अपने अध्यक्ष पद का चुनाव टाल दिया है। इस फैसले के बाद जगत प्रकाश नड्डा अध्यक्ष बने रहेंगे। जेपी नड्डा 2020 से ही बीजेपी अध्यक्ष पद पर काबिज हैं। बीजेपी पिछले 6 महीने से नड्डा का उत्तराधिकारी खोज रही है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव फिलहाल नहीं होगा। यह फैसला पार्टी के शीर्ष इकाई ने किया है। अध्यक्ष पद के लिए नए सिरे से चुनाव कब होगा, इसकी घोषणा बाद में की जाएगी। बीजेपी मई महीने में अपना अध्यक्ष चुनने का प्लान कर रही थी, लेकिन अब इसे टाल दिया गया है। सूत्रों का कहना है कि बीजेपी ने अभी अपने अध्यक्ष पद का चुनाव टाल दिया है। यानी जगत प्रकाश नड्डा अध्यक्ष बने रहेंगे।

नड्डा 2020 से ही अध्यक्ष पद पर काबिज हैं। सूत्रों का कहना है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद पैदा हुई तनाव की परिस्थितियों में बीजेपी संगठन के चुनाव को टाला गया है। बीजेपी अभी केंद्र की सरकार में है और पार्टी की कोशिश इस मुद्दे को अच्छे से सुलझाने की है। पहलगाम के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवादियों को मिट्टी में मिलाने की बात कही थी। प्रधानमंत्री ने कहा था कि आतंकवादियों को खोज-खोजकर सजा देने का काम करेंगे। 2019 में अमित शाह के केंद्रीय मंत्री बनने के बाद जगत प्रकाश नड्डा को अध्यक्ष की कुर्सी सौंपी गई थी। 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद से ही नड्डा के हटने की बात कही जा रही थी, लेकिन चुनाव न होने की वजह से वे अध्यक्ष पद पर बैठे हैं।

बीजेपी के सियासी गलियारों में नड्डा के बाद कौन होगा नया अध्यक्ष?

इसकी भी खूब चर्चा है। पिछले 6 महीने में बीजेपी अध्यक्ष पद के लिए कई नामों की चर्चा मीडिया में हो चुकी है। हालांकि, फाइनल मुहर चुनाव में ही लगेगा। बीजेपी संविधान के मुताबिक राज्यों में चुनाव हो जाने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष पद का चुनाव कराया जाता है।

पार्टी के गठन के बाद से अब तक सर्वसम्मति से ही अध्यक्ष पद का चुनाव होता रहा है।6 अप्रैल 1980 को बीजेपी की स्थापना हुई थी।

भारत और फ्रांस के बीच 26 राफेल मरीन विमानों की डील साइन

जेट के आने से इंडियन नेवी और ताकतवर होगी

नई दिल्ली।

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद सोमवार को भारत और फ्रांस के बीच 26 राफेल मरीन विमानों की डील साइन हो गई है। यह डील 63,000 करोड़ रुपये में हुई है। डील के तहत भारतीय नौसेना के लिए फ्रांस से 26 राफेल मरीन एयरक्राफ्ट खरीदे जाएंगे। इस समझौते के भारत का प्रतिनिधित्व रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने किया। इस दौरान नौसेना के उपप्रमुख वाइस एडमिरल के. स्वामीनाथन भी मौजूद थे। इस समझौते के तहत 22 सिंगल-सीट और 4 ट्विन-सीट विमान शामिल है। इस समझौते से पाकिस्तान को करारा झटका लगने वाला है, क्योंकि ये जेट आईएनएस विक्रांत पर तैनात किए जाएंगे। इस जेट के आने से इंडियन नेवी और ताकतवर होगी। भारत और फ्रांस के बीच 2016 में एक सौदा हुआ था, इसके तहत पहले से ही भारतीय वायुसेना के बेड़े में 36 एयरक्राफ्ट है। भारतीय वायुसेना के राफेल जेट अंबाला और हाशिनारा इन दो बेस से ऑपरेट होते है। इन 26 राफेल-एम की डील के साथ भारत की राफेल जेट की संख्या बढ़कर 62 होगी। राफेल-एम एक मल्टीरोल फाइटर जेट है। इसका एईएसए राडार टारगेट डिटेक्शन और ट्रैकिंग के लिए बेहतरीन है। इसमें स्पेक्ट्रा इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम है जो राफेल-एम को स्टेल्थ बनाता है। इसमें बीच हवा में ही रीफ्यूलिंग हो सकती है। यानी इसकी रेंज बढ़ जाएगी। राफेल-एम फाइटर आने से भारतीय समुद्री क्षेत्र में निगरानी, जासूसी, अटैक जैसे कई मिशन आसानी से पूरे हो सकते है। यह फाइटर जेट एंटी-शिप वॉरफेयर के लिए बेस्ट है। इसमें प्रेसिशन गाइडेड बम और मिसाइलें लगा सकते हैं।

(उल्हासनगर) अल्पकालिक वीजा पर उल्हासनगर में रह रहे हैं 17 पाकिस्तानी नागरिक, 28 अप्रैल तक भारत छोड़ने का आदेश

- पहलगाम हमले के बाद उल्हासनगर पुलिस अलर्ट मोड पर

उल्हासनगर।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जहां पूरे देश में सुरक्षा एजेंसियों ने अपनी सतर्कता बढ़ा दी है, वहीं उल्हासनगर शहर से चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। पुलिस जांच में पता चला है कि 17 पाकिस्तानी नागरिक अल्पकालिक वीजा पर उल्हासनगर में रह रहे हैं। परिमंडल चार के पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे के मार्गदर्शन में चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान यह खुलासा हुआ है जिससे शहर में सुरक्षा व्यवस्था के लिए नई चुनौती खड़ी हो गई है। वहीं पुलिस प्रशासन ने युद्ध स्तर पर कार्रवाई करते हुए इन नागरिकों को 28 अप्रैल 2025 तक भारत छोड़ने का आदेश दिया है। आपको बता दें कि बीते 22 अप्रैल को पहलगाम में भीषण आतंकवादी हमले के मद्देनजर देशभर में सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। इस संबंध में उल्हासनगर जोन 4 के पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे के मार्गदर्शन में पुलिस ने उल्हासनगर, विट्ठलवाड़ी, अंबरनाथ और बदलापुर चारों शहरों में विशेष तलाशी अभियान चलाया। इस अभियान का उद्देश्य अनधिकृत विदेशी नागरिकों, अल्पावधि वीजा पर देश में रह रहे विदेशी नागरिकों और संदिग्ध रूप से काम करने वाले व्यक्तियों की तलाश करना था। पुलिस उपायुक्त (जोन 4) सचिन गोरे के नेतृत्व में किए गए निरीक्षण के दौरान यह बात सामने आई है कि अकेले उल्हासनगर शहर में 17 पाकिस्तानी नागरिक अल्पावधि वीजा पर रह रहे हैं। यह भी पाया गया है कि उनमें से कुछ के निवास में अनियमितताएं हैं। इसके चलते प्रशासन ने तत्काल कदम उठाते हुए सभी 17 नागरिकों को 28 अप्रैल तक भारत से वापस लौटने के स्पष्ट आदेश दिए हैं। अंबरनाथ और बदलापुर में निरीक्षण के दौरान कोई भी पाकिस्तानी नागरिक नहीं मिला। हालांकि, उल्हासनगर में एक ही समय में इतनी बड़ी संख्या में पाकिस्तानी नागरिकों के रहने का पता चलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने अपनी सतर्कता बढ़ा दी है। पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, अल्पकालिक वीजा पर आए नागरिकों को निर्धारित अवधि के भीतर वापस लौटना अनिवार्य है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, उल्हासनगर शहर में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस विभाग ने कड़ी सुरक्षा बढ़ा दी है। साथ ही, पुलिस प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने क्षेत्र में किसी भी संदिग्ध व्यक्ति के पाए जाने या उन्हें चलते-फिरते किसी भी तरह का संदेह होने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें, ताकि सुरक्षा में कोई व्यवधान न हो। फिलहाल, इस संबंध में उल्हासनगर शहर में अत्यधिक सतर्कता बरती जा रही है।

कांग्रेस नेता का विवादित बयान, आतंकियों के पास इतना समय नहीं होता कि जाकर पूछें कि तुम्हारा धर्म क्या

पहलगाम हमला मोदी सरकार के सुरक्षा तंत्र का फेलियर

मुंबई।

महाराष्ट्र में कांग्रेस के विधायक विजय वडेट्टीवार ने पहलगाम आतंकी हमले पर विवादित बयान दे दिया है। मासूम पर्यटकों को उनका धर्म पूछकर मारने के मामले में कांग्रेस नेता वडेट्टीवार का कहना है कि ऐसी बातें गलत हैं। कांग्रेस नेता वडेट्टीवार ने विवादित बयान देकर कहा कि आखिर आतंकियों के पास इतना समय ही कहां होता है कि वे किसी के कान में जाकर पूछें कि तुम्हारा धर्म क्या है। कुछ लोगों का कहना है कि ऐसा नहीं हुआ है। आतंकियों की कोई जाति या धर्म नहीं होता। मामले में जिम्मेदार लोगों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए। यही देशवासियों की भावना है। कांग्रेस नेता वडेट्टीवार ने कहा, पहलगाम की जिम्मेदारी मोदी सरकार को लेनी चाहिए। वहां सुरक्षा क्यों नहीं थी। आखिर 200 किलोमीटर तक आतंकी कैसे आ जाते हैं। क्या यह आपका खुफिया तंत्र फेल नहीं है।

वडेट्टीवार ने कहा कि अपनी गलती को मानने की बजाय आपका फोकस इसपर है कि धर्म पूछकर मारा गया। क्या आतंकियों के पास इतना समय होता है कि वह लोगों के पास जाएं और कान में पूछें कि तुम्हारा धर्म क्या है। उन्होंने कहा कि आतंकियों के खिलाफ एक्शन होना चाहिए। आखिर इतनी सुरक्षा चूक कैसे हो गई। इस पर विचार करना चाहिए, लेकिन इस मामले में दूसरी तरफ ध्यान ले जाना गलत है।

संक्षिप्त समाचार

भारत में रहकर पाकिस्तान के लिए प्यार, असम में कुल 22 लोग गिरफ्तार

सीएम सरमा ने गिरफ्तार किए गए लोगों को देशद्रोही कहा

दिशपुर। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पोस्ट में बताया कि कथित तौर पर पाकिस्तान समर्थक रुख अपनाने के कारण पुलिस ने कुल 22 लोगों को गिरफ्तार किया है। सीएम सरमा ने गिरफ्तार किए गए लोगों को देशद्रोही कहा है। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान की धरती पर पाकिस्तान का बचाव करने वाले देशद्रोहियों के खिलाफ कार्रवाई हुई है। इसके पहले 26 अप्रैल को 14 लोगों को गिरफ्तार किया था। उसके बाद सीएम सरमा ने कहा था कि अगर जरूरत हुई तब इन लोगों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत केस दर्ज होगा। मुख्यमंत्री सरमा ने कहा, भारत और पाकिस्तान के बीच कोई समानता नहीं है। कृषक मुक्ति संग्राम समिति के एक नेता को उनकी भारत विरोधी टिप्पणी के लिए गिरफ्तार किया गया। जो कोई भी ऐसा रुख अपनाएगा, उस शख्स को गिरफ्तार किया जाएगा।

आंध्रप्रदेश में अब 25 लाख देकर खोल सकते हैं होटलों में बार

विजयवाड़ा।

आंध्रप्रदेश सरकार ने टूरिज्म सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। आंध्र सरकार ने 3-स्टार और उससे ऊपर रेटिंग वाले होटलों में बार खोलने के लिए लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन फीस में भारी कमी की है। पहले यह फीस करीब 66 लाख रुपये थी, इस कम कर 25 लाख रुपये किया गया है। बता दें कि यह फैसला पर्यटन विभाग और उत्पाद शुल्क एवं निषेध विभाग की सिफारिशों के बाद हुआ है। आंध्र प्रदेश टूरिज्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एपीटीडीसी) की मैनेजिंग डायरेक्टर ने आंध्र सरकार को दी गई रिपोर्ट में कहा कि अभी तक 3-स्टार और उससे ऊपर के होटलों में बार खोलने की फीस देश में सबसे ज्यादा थी। इस दूसरे राज्यों के मुकाबले काफी महंगा माना जाता था। आंध्र प्रदेश होटेलियर्स एसोसिएशन ने भी नायडू सरकार से फीस कम करने की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि तमिलनाडु, महाराष्ट्र, दिल्ली, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक जैसे राज्यों में फीस काफी कम है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि शुल्क कम करने से पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर को बढ़ावा मिलेगा। इससे रोजगार के नए मौके बनने और राज्य का राजस्व भी बढ़ेगा। इससे होटल और रेस्तरां की बिक्री बढ़ेगी और नए निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा।

आंतकी दो टारगेट को बना सकते हैं निशाना, सुरक्षा बल अलर्ट

श्रीनगर।

भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसे हालात बन चुके हैं। पाकिस्तान आर्मी की पीओके में गतिविधियां बढ़ चुकी हैं। ताकि इंडियन आर्मी के किसी भी एक्शन का जवाब दिया जा सके। इस बीच, इंटेलिजेंस रिपोर्ट में पाकिस्तानी आतंकवादियों की बड़ी साजिश की पोल खुल गई है। रिपोर्ट सामने आने के बाद सुरक्षाबलों को खास निर्देश दिया गया है। सैन्य अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर हैं, क्योंकि सूचना है कि आतंकवादी रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर, कश्मीरी पंडितों और घाटी में काम करने वाले गैर-कश्मीरी लोगों पर हमला कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि खुफिया सूचनाओं से पता चलता है कि आतंकवादी आने वाले दिनों में गैर-स्थानीय लोगों, कश्मीरी पंडितों और सुरक्षाकर्मियों पर हमला करने की साजिश रच रहे हैं। सैन्य अधिकारी ने बताया कि रेलवे का बुनियादी ढांचा एक संवेदनशील टारगेट बना हुआ है, क्योंकि घाटी में कई रेलवे कर्मचारी गैर-कश्मीरी हैं। अधिकारियों ने कहा कि इन कर्मियों को उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल प्रभाव से ऐसी गतिविधियों पर अंकुश लगाने की चेतावनी दी गई है। आईएसआई श्रीनगर और गंदरबल जिलों में कश्मीर पंडितों और पुलिस कर्मियों को टारगेट कर हमले की साजिश रच रहे हैं।

पीएफआई नेता ओएमए सलाम को मिली 3 दिन की कस्टडी पैरोल

नई दिल्ली। पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के अध्यक्ष ओएमए सलाम को पिछले साल हुई बेटी की मौत से संबंधित कुछ रीति-रिवाज करने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट ने तीन दिन की कस्टडी पैरोल दे दी है। न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा की पीठ ने पीएफआई अध्यक्ष को प्रतिदिन छह घंटे की तीन दिन की हिरासत पैरोल दी है। साथ ही निर्देश दिया कि वह इस अवधि के दौरान न तो वह अपने मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करेगा और न ही किसी सार्वजनिक कार्यक्रम हिस्सा लेगा। अदालत ने स्पष्ट किया कि सलाम को अपना यात्रा का खर्च वहन करना होगा।सलाम ने अपनी बेटी की मौत के बाद 15 दिनों के लिए कुछ समारोह करने के लिए केरल में अपने गृहनगर में यात्रा करने के लिए कस्टडी पैरोल देने की मांग की थी। एनआईए ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि वह सुरक्षा के लिए खतरा है और केरल में उसकी मौजूदगी से राज्य पर बहुत दबाव पड़ेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

डॉ. जयशंकर ने राजदूत शर्मा से मिल पहलगाम हमले में मारे गए नेपाली युवक के प्रति संवेदना जताई

काठमांडू, एजेंसी। भारत के विदेशमंत्री डॉ. एस जयशंकर ने दिल्ली में नेपाल के राजदूत डॉ. शंकर शर्मा को बुलाकर पहलगाम हमले में मारे गए नेपाली युवक के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। भारतीय विदेश मंत्रालय में पहलगाम आतंकी हमले को लेकर विभिन्न देशों के राजदूतों से मिलने के क्रम में डॉ. जयशंकर ने नेपाल के राजदूत डॉ. शर्मा से मुलाकात की है। भारतीय विदेश मंत्रालय में शुक्रवार शाम हुई इस मुलाकात के दौरान जयशंकर ने पहलगाम हमले में मारे गए नेपाली नागरिक सुदीप न्यौपाने के प्रति दुख प्रकट करते हुए अपनी संवेदना जताई है। डॉ. शर्मा ने बताया कि विदेशमंत्री डॉ. जयशंकर के अनुसार, भारत सरकार न्यौपाने के पीड़ित परिवार को वह सभी सुविधाएं मुहैया कराएगी, जो उस हमले में मारे गए भारतीय नागरिकों को मिलेंगी। विदेशमंत्री ने पहलगाम हमले पर नेपाल सरकार के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के तरफ से संवेदना प्रकट करने के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को व्यक्तिगत रूप से फोन कर इस दुख के क्षण में भारत के साथ खड़े होने पर भी धन्यवाद दिया।

यूक्रेन ने बम से उड़ाया रूसी जनरल, एक गिरफ्तार

मास्को, एजेंसी। रूसी जनरल को बम विस्फोट में उड़ाने के मामले में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। पता चला है कि यूक्रेन के एक खुफिया अधिकारी ने ही रूसी जनरल को कार में विस्फोट करके उड़ा दिया था। यह विस्फोट रिमोट कंट्रोल के जरिए किया गया था। इस मामले में रूस की जांच एजेंसियों ने यूक्रेन की खुफिया एजेंसी के अधिकारी इग्नात कुजिन को गिरफ्तार कर लिया है। पुतिन के करीबी मेजर जनरल यारोस्लाव मोस्कालिक शनिवार को अपनी कार में बैठने जा रहे थे। तभी कार में भारी विस्फोट हो गया, जिसमें मेजर जनरल की मौके पर ही मौत हो गई थी। यह घटना रूस के बाल सिखा इलाके में हुई। रूस की फेडरल सिक्योरिटी सर्विस के मुताबिक यह हमला यूक्रेन से ही रिमोट कंट्रोल के जरिए किया गया। इस वारदात में यूक्रेन की खुफिया एजेंसी के अधिकारी इग्नात कुजिन का हाथ पाया गया। उसे शनिवार की देर रात गिरफ्तार कर लिया गया। मामले की तफ्तीश जारी है।

झेलम का अचानक बढ़ा जल स्तर, पाकिस्तान में आई बाढ़

इस्लामाबाद, एजेंसी। झेलम नदी में अचानक जल स्तर बढ़ने से पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बाढ़ के हालात पैदा हो गए हैं। नदी किनारे रहने वाले लोगों ने पूरी रात जागकर काटी है। इससे घबराए पाकिस्तान प्रशासन ने हट्टियन बाला क्षेत्र में वाटर इमरजेंसी की घोषणा तक कर दी है। साथ ही लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा गया है। मस्जिदों से भी लगातार लोगों को सचेत किया जा रहा है। उधर पाकिस्तान ने भारत पर जानबूझ कर नदी में अधिक पानी छोड़े जाने का आरोप लगाया है। हालांकि भारत की ओर से अभी इस मामले पर कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की गई है। मुजफ्फराबाद के डिप्टी कमिश्नर फारुक के मुताबिक अचानक शनिवार की शाम को झेलम नदी का जल स्तर बढ़ने लगा। इसके चलते कई इलाकों में बाढ़ के हालात पैदा हो गए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक हर सकेंड 22 हजार घन फीट पानी बह रहा है, जिससे गारी दुपट्टा, मझोई व मुजफ्फराबाद आदि इलाकों में बाढ़ के हालात पैदा गए हैं। फारुक ने आरोप लगाया कि भारत ने जानबूझकर झेलम नदी में एकाएक जल को छोड़ा है। पूर्व में जब भी नदी में जल स्तर छोड़ा जाता था तो भारत की ओर से सूचना दी जाती थी लेकिन इस बार कोई भी जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने लोगों से नदी के पास वाले इलाकों में जाने से बचने को कहा है।

अब पाकिस्तान के गृह मंत्री नकवी ने दी भारत को गीदड़ भभकी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पहलगाम हमले के बाद भारत द्वारा उठाए गए कड़े कदमों से पाकिस्तान बौखला गया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ व बिलावल भुट्टो के बाद अब वहां के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने भारत को गीदड़ भभकी दी है। कहा कि यदि भारत ने पाकिस्तान को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की तो 240 मिलियन पाकिस्तानी आखिरी सांस तक लड़ने के तैयार बैठे हैं। पाकिस्तानी अखबार डान के मुताबिक गृह मंत्री नकवी यहीं नहीं रुके। उन्होंने यहां तक आरोप लगा दिए कि भारत पाकिस्तान में आतंकी गतिविधियों में शामिल है। भारत की धमकियों से पाकिस्तान की सरकार डरने वाली नहीं हैं। गौरतलब है कि पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सिंधु जल समझौते को रद्द करने समेत कई बड़े कदम उठाए हैं। इसके चलते पाकिस्तान के नेता आपा खो बैठे हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री जहां भारत को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दे चुके हैं, वहीं बिलावल भुट्टो ने तो यहां तक कह डाला कि सिंधु में या तो पानी बहेगा या फिर भारत के लोगों का खून। अब गृहमंत्री ने भी आपा खोते हुए उल्टे भारत पर ही आतंकवाद फैलाने का आरोप मढ़ दिया है।

कोलंबिया विवि के छात्र और फिलिस्तीन समर्थक खलील को बिना वारंट हिरासत में लेने का खुलासा

वाशिंगटन, एजेंसी। फिलिस्तीन समर्थक और कोलंबिया विश्वविद्यालय के स्नातक छात्र महमूद खलील को पिछले महीने बिना किसी गिरफ्तारी वारंट के हिरासत में लिया गया। सीरिया में जन्मे और ग्रीन कार्ड धारक खलील को 8 मार्च को रमजान के दौरान इफ्तार से लौटने के बाद गिरफ्तार किया गया था। एनबीसी न्यूज चैनल के अनुसार, गुरुवार को जारी किए गए अदालती दस्तावेजों से इसकी पुष्टि हुई है कि खलील को बिना किसी गिरफ्तारी वारंट के हिरासत में लिया गया। अदालती दस्तावेजों में होमलैंड सुरक्षा विभाग के वकीलों ने कहा कि आव्रजन अधिकारियों के पास वारंट रहित गिरफ्तारी करने के लिए आवश्यक परिस्थितियाँ थीं। यह आशंका थी कि वह वह सहयोग नहीं करेगा और भागने की फिराक में है। संघीय आव्रजन अधिकारियों ने कहा कि उन्हें विश्वास था कि उसके भागने का जोखिम है। इसलिए गिरफ्तारी आवश्यक थी। चैनल के अनुसार, गिरफ्तारी के वीडियो फुटेज में खलील को सहयोग करते हुए और अधिकारियों से यह कहते हुए दिखाया गया है, हां, मैं आपके साथ चलने के लिए तैयार हूं। खलील इस समय लुइसियाना में एक इमिग्रेशन डिटेंशन सुविधा में हिरासत में है। खलील की पत्नी नूर अब्दुल्ला ने पिछले दिनों पहले बच्चे के जन्म दिया है। खलील के वकीलों का तर्क है कि उनके मुवक्किल के अपार्टमेंट

बिल्डिंग में प्रवेश करने के लिए वारंट की आवश्यकता थी। खलील की कानूनी टीम मामले को खारिज करने की मांग कर रही है। टीम का दावा है कि उसने गिरफ्तारी के दौरान अधिकारियों के साथ सहयोग किया और यह साबित करने के लिए कोई सबूत पेश नहीं किया गया है कि वह भागने का जोखिम था। होमलैंड सुरक्षा विभाग की सहायक सचिव ट्रिसिया मैकलॉघलिन ने शुक्रवार को एक ई-मेल बयान में कहा, खलील ने भागने की कोशिश की, इसलिए उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसके यहां जाते समय प्रशासनिक गिरफ्तारी वारंट निष्पादित किया गया था। कोलंबिया विश्वविद्यालय ने इस मामले में किसी भी तरह की टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। उधर, ट्रंप प्रशासन ने आठ मार्च को न्यूयॉर्क शहर में खलील की गिरफ्तारी के बाद से उसे अमेरिका से निर्वासित करने के लिए दो आधार प्रस्तुत किए हैं। प्रशासन ने इमिग्रेशन कानून में एक प्रावधान का हवाला दिया जो राज्य के सचिव को किसी व्यक्ति को निर्वासित करने का अधिकार देता है। दूसरा आधार 23 मार्च को सार्वजनिक किया गया। इसमें आरोप लगाया गया है कि खलील ने कुछ संगठनों में अपनी सदस्यता के बारे में जानकारी छुपाई और अपने स्थायी निवास आवेदन में बेरूत में ब्रिटिश दूतावास में सीरिया कार्यालय में अपने रोजगार का खुलासा करने में विफल रहा।

ट्रंप ने यूक्रेन युद्ध को लेकर पुतिन की मंशा पर जताया संदेह

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मंशा पर गहरा संदेह जताया। ट्रंप ने कहा कि उन्हें अब भरोसा नहीं रहा कि पुतिन युद्ध समाप्त करना चाहते हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब एक दिन पहले ही ट्रंप ने उम्मीद जताई थी कि रूस और यूक्रेन समझौते के बहुत करीब हैं। पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में भाग लेने के बाद अमेरिका लौटते समय ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, ÷पिछले कुछ दिनों में पुतिन द्वारा नागरिक इलाकों, शहरों और कस्बों पर मिसाइल हमले करने का कोई औचित्य नहीं है। यह सब देखकर मुझे लगने लगा है कि शायद वह युद्ध रोकना नहीं चाहते। हो सकता है कि अब हमें उन्हें बैंकिंग या सेकेंडरी प्रतिबंधों के माध्यम से अलग तरीके से निपटना पड़े। बहुत से लोग मारे जा रहे हैं!!! उल्लेखनीय है कि शनिवार को ही ट्रंप ने वेटिकन में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से भी संक्षिप्त मुलाकात की थी। दोनों नेताओं ने पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में भाग लेने से पहले कुछ देर बातचीत की थी।

थाईलैंड में विमान हादसा, छह पुलिस अधिकारियों की मौत

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड की खाड़ी में शुक्रवार सुबह पुलिस का एक छोटा विमान (डीएचसी-6-400 ट्विन ओटर) दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में विमान में सवार सभी छह पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई। थाईलैंड के 191 आपातकालीन केंद्र ने सुबह 8.15 बजे दुर्घटना की सूचना दी। केंद्र के अनुसार, यह विमान बेबी ग्रैंड हुआ हिन होटल से लगभग 100 मीटर दूर दुर्घटनाग्रस्त होकर थाईलैंड की खाड़ी में गिर गया। बैंकॉक पोस्ट अखबार की खबर के अनुसार, बेबी ग्रैंड हुआ हिन होटल समुद्र तट के किनारे फेचबुरी के चा-आम जिले में है। इस विमान में पुलिस के तीन पायलट, दो मैकेनिक और एक इंजीनियर सवार थे। थाई पुलिस के प्रवक्ता पोल लेफ्टिनेंट जनरल अर्चायोन क्रैथोंग ने बताया कि विमान पैराशूट प्रशिक्षण अभ्यास की तैयारी के लिए परीक्षण उड़ान पर था। पांच अधिकारियों की घटनास्थल पर मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल पायलट पोल कैप्टन चतुरोंग वट्टानापाइसरन को पास के अस्पताल ले जाया गया। वहां शाम करीब 4 बजे उन्होंने दम तोड़ दिया। थाईलैंड के पुलिस प्रमुख किथाराथ पुनपेच ने दुर्घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि विमान रन-वे से बाहर निकलने के कुछ ही समय बाद संतुलन खोकर खाड़ी में गिर गया।

नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र ने की पहलगाम आतंकी हमले की निंदा, व्यक्त की संवेदना

काठमांडू , एजेंसी। पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि हिन्दू तीर्थयात्रियों को निशाना बना कर एक नेपाली नागरिक सहित 28 लोगों की मौत पर अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। शनिवार को पूर्व राजा ने हमले पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि यह हमला मानवता और हिन्दू समुदाय के खिलाफ एक अक्षम्य और जघन्य अपराध है।

हम इस त्रासदी की कितनी भी कड़ी निंदा करें, यह कभी भी नुकसान की भयावहता को व्यक्त करने के लिए पर्याप्त नहीं होगा। उन्होंने सनातन वैदिक हिन्दुओं की मूल मान्यता वसुधैव कुटुम्बकम के सिद्धांत का हवाला देते हुए कहा कि यह विचार कि दुनिया एक परिवार है। इन मूल्यों के खिलाफ इस तरह के अपराध करना न केवल एक पाप है, बल्कि हमारे धार्मिक और मानवीय सिद्धांतों का गंभीर उल्लंघन है। पूर्व राजा ने हमले में जान गंवाने वाले नेपाली नागरिक सहित सभी पीड़ित परिवारों के प्रति भी अपनी संवेदना व्यक्त की हैं। शाह ने कहा कि दुख की इस घड़ी में वह भारत सरकार और भारत की जनता के पक्ष में खड़े हैं। आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में नेपाली जनता का पूर्ण समर्थन रहेगा।

नेपाल इस कठिन समय में खड़ा है भारत के लोगों के साथः डा. राणा

काठमांडू के भारतीय दूतावास में हुआ हमले में मृत लोगों के लिए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

काठमांडू, एजेंसी। भारत के कश्मीर स्थित पहलगाम में आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए नेपाल के भारतीय दूतावास में सभा का आयोजन किया गया। इसमें नेपाल के उप प्रधानमंत्री विष्णु पौडेल, विदेश मंत्री डा. आरजू राणा देउवा सहित सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने इस कायराना हमले की कड़ी निंदा की। विदेश मंत्री डा. राणा ने कहा कि नेपाल आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की कड़ी निंदा करता है। नेपाल किसी भी आतंकवादी गतिविधि के खिलाफ दृढ़ता से खड़ा है। नेपाल इस कठिन समय में भारत सरकार और लोगों के साथ खड़ा है। आतंकवाद से निपटने के दौरान कोई दोहरा मानक नहीं होना चाहिए। किसी भी आतंकवादी समूह द्वारा किसी भी देश या उसके लोगों के खिलाफ किसी भी उद्देश्य के लिए अपने क्षेत्र का उपयोग नहीं करने दिया जाएगा। श्रद्धांजलि सभा में नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. शेखर कोइराला, प्रधानमंत्री के प्रमुख सलाहकार विष्णु रिमाल, माओवादी के राष्ट्रीय सचिव छविलाल विश्वकर्मा, पूर्व विदेश मंत्री एनपी साउद, लोकतांत्रिक

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष महंथ ठाकुर, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के शिशिर खनाल आदि मौजूद रहे। इनके अलावा नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल, प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने आतंकवादी हमले की निंदा की है। साथ ही सभी ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत सरकार के पक्ष में दृढ़ता से खड़े रहने का संदेश दिया है।

शहबाज शरीफ का पाकिस्तान के सशस्त्र बलों से तैयार रहने का आह्वान

एबटाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने आज सुबह एबटाबाद के काकुल स्थित पाकिस्तान सैन्य अकादमी के पासिंग आउट समारोह में हिस्सा लिया। शहबाज ने इस मंच का भी उपयोग भारत को धमकी देने के लिए किया। उन्होंने धमकी भरे लहजे कहा कि भारत आरोप-प्रत्यारोप का खेल बंद करे। पाकिस्तान उसके किसी भी दुस्साहस का ताकत से जवाब देने के लिए तैयार है। शरीफ ने मुल्क की संप्रभुता की रक्षा के लिए सशस्त्र बलों से तैयार रहने का आह्वान किया। जिओ न्यूज की खबर के अनुसार, प्रधानमंत्री शहबाज ने शनिवार को भारत से लगातार आरोप-प्रत्यारोप का खेल बंद करने की मांग की और कहा कि किसी भी दुस्साहस

का पूरी ताकत से जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले के भारत मुल्क पर निराधार आरोप लगा रहा है। भारत के पास आरोपों के पक्ष में कोई साक्ष्य नहीं हैं। पहलगाम हमले की अंतरराष्ट्रीय निष्पक्ष और पारदर्शी जांच जरूरी है। शहबाज ने सिंधु जल संधि के तहत पाकिस्तान के जल हिस्से को रोकने या मोड़ने के किसी भी कदम के खिलाफ सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि इस मोर्चे पर पाकिस्तान के संकल्प के बारे में किसी को भी कोई भ्रम नहीं होना चाहिए। पाकिस्तान ने भारत के 2019 के हवाई हमले का माकूल जवाब दिया। भविष्य में किसी भी दुस्साहस का इसी तरह का जवाब दिया जाएगा। प्रधानमंत्री शहबाज ने कहा कि पाकिस्तान शांति के लिए खड़ा है, लेकिन इसे कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए। मुल्क की गरिमा और सुरक्षा से कभी समझौता नहीं किया जाएगा। सिंधु जल संधि देश के 240 मिलियन लोगों के लिए जीवन रेखा है। इसके पानी की उपलब्धता को हर कीमत पर और हर परिस्थिति में सुरक्षित रखा जाएगा।

उत्तर कोरिया ने घातक हथियारों से लैस युद्धपोत का जलावतरण किया

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने शुक्रवार को अपने एक नए 5,000 टन के युद्धपोत का जलावतरण किया। दावा किया गया है कि यह विध्वंसक है और सबसे शक्तिशाली घातक हथियारों से लैस है। इस अवसर पर उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन अपनी पुत्री के साथ मौजूद रहे। इस युद्धपोत का जलावतरण एआई तकनीक आधारित नए आत्मघाती और टोही ड्रोन के परीक्षण की देखरेख के लगभग एक महीने बाद किया गया। उत्तर कोरिया की कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने आज यह जानकारी दी। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार, किम जोंग-उन ने इस अवसर पर देश की नौसेना की समुद्री शक्ति को बढ़ाने के प्रयासों का बखान किया। युद्धपोत का जलावतरण पीपुल्स रिवोल्यूशनरी आर्मी की 93वीं स्थापना वर्षगांठ पर पश्चिमी बंदरगाह शहर नाम्फो में एक शिपयार्ड में आयोजित समारोह के दौरान किया गया। किम ने अपनी बेटी जू-ए के साथ समारोह में हिस्सा लिया। किम ने उत्तर कोरियाई जापानी-विरोधी क्रांतिकारी सेनानी के नाम पर चोई ह्योन नामक नवनिर्मित युद्धपोत का निरीक्षण भी किया। किम ने इस मौके पर भविष्य में परमाणु-संचालित पनडुब्बियों को विकसित करने का संकल्प दोहराया। उत्तर कोरियाई नेता ने मार्च में दक्षिण कोरिया और संयुक्त राज्य अमेरिका के संयुक्त सैन्य अभ्यास की निंदा की। किम ने कहा कि अमेरिका और दक्षिण कोरिया की नई परमाणु युद्ध योजना डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया के प्रति शत्रुतापूर्ण इरादे की सबसे स्पष्ट अभिव्यक्ति है।

पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ दुष्प्रचार में विदेशी मीडिया का सहारा लिया

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद आरोपों से घिरा पाकिस्तान विदेशी मीडिया की शरण में पहुंचा है। इस बहाने अपनी पुरानी आदत के अनुसार, भारत के खिलाफ राग अलाप रहा है। मुल्क के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने अमेरिकी अखबार द न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए इंटरव्यू में भारत पर तमाम आरोप लगाते हुए पहलगाम हमले की अंतरराष्ट्रीय जांच कराने की मांग की है। डॉन अखबार की रिपोर्ट में ख्वाजा के इस इंटरव्यू की चर्चा की गई है। इसमें कहा गया है कि पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए हमले में 26 लोग मारे गए।इनमें से ज्यादातर पर्यटक थे। वर्ष 2000 के बाद यह सबसे घातक सशस्त्र हमला है। हमले की जिम्मेदारी कथित तौर पर द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है। हमले के बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे के खिलाफ कई तरह के कदम उठाए हैं। भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करने की घोषणा की है। पाकिस्तान ने शिमला समझौते को स्थगित कर भारतीय उड़ानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया है। आसिफ ने शुक्रवार को द न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए साक्षात्कार में कहा कि पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों की किसी भी जांच में ÷सहयोग करने के लिए तैयार है। पहलगाम में हुई घटना से भारत को सिंधु जल संधि को निलंबित करने का बहाना मिल गया है। आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान नहीं चाहता कि जल युद्ध भड़के। आसिफ ने सफाई दी कि प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा

निष्क्रिय हो चुका है। उसके पास पाकिस्तान से हमले की योजना बनाने या उसे अंजाम देने की कोई क्षमता नहीं है। लश्कर के लोगों में से कुछ को घरों में नजरबंद कर दिया गया है और कुछ को हिरासत में लिया गया है। आसिफ ने इंटरव्यू में दुनिया को यह बताने की कोशिश की है कि यह हमला भारत सरकार ने ही कराया। पिछले एक दशक से भारत इस संधि से बाहर निकलने की कोशिश करता रहा है। इस हमले के बहाने उसे अब मौका मिल गया है। स्काई न्यूज के साथ एक अलग साक्षात्कार में रक्षामंत्री आसिफ चेतावनी दे चुके हैं अगर भारत ने पाकिस्तान पर हमला किया तो युद्ध छिड़ सकता है। उन्होंने कहा कि दुनिया को इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सैन्य संघर्ष की संभावना से चिंतित होना चाहिए।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नाबालिग के पिता ने अपहरण की शिकायत दर्ज करवाई।

सूरत की 23 वर्षीय शिक्षिका 11 वर्षीय छात्र के साथ भागी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पुना क्षेत्र में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। युवकों द्वारा युवतियों को भगाने के मामलों के बीच, पुना क्षेत्र में 23 वर्षीय शिक्षिका ने अपने 11 साल के छात्र को भगाकर हंगामा मचा दिया है। इस नाबालिग को भगाते हुए CCTV में भी देखा गया, जिससे मामला और गंभीर हो गया। पुलिस के साथ-साथ दोनों के परिवार वाले भी बच्चे और शिक्षिका की तलाश में जुटे हुए हैं।

सूरत रेलवे स्टेशन पहुंचने के बाद शिक्षिका ने अपना फोन भी बंद कर दिया, जिससे मामला और पेचीदा हो गया।

भागने से पहले शिक्षिका ने 'बुक माय ट्रिप' से एक टूर पैकेज भी बुक किया था, यह भी सामने आया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुना में एक ही इलाके में रहने वाले दो परिवार पुलिस स्टेशन पहुंचे थे। दोनों के द्वारा जो जानकारी दी गई, उसे सुनकर पुलिस इंस्पेक्टर वी.एम. देसाई का दिमाग चकरा गया। 11 वर्षीय बच्चे के पिता ने कहा कि उनके बेटे का अपहरण हुआ है। मामला यह था कि उनका 11 वर्षीय बेटा जो पांचवी कक्षा में पढ़ाई कर रहा था, 25 तारीख को दोपहर के समय घर के बाहर खेल रहा था, तभी वह गायब हो गया। CCTV चेक करने पर उनके बच्चे को पास में ही रहने वाली और पिछले तीन साल से उसे ट्यूशन पढ़ाने वाली तथा स्कूल में उसकी कक्षा शिक्षिका रही 23 वर्षीय युवती उसे भगाते हुए दिखी। जो शिक्षिका बच्चे को भगाकर ले गई थी, उसके माता-पिता और परिवार भी पुलिस स्टेशन पहुंचे और उन्होंने बताया कि वह दोपहर में एक बैग लेकर घर से निकली थी।

23 वर्षीय शिक्षिका द्वारा 11 वर्षीय छात्र को भगाने की घटना सुनकर पुलिस अधिकारियों का भी दिमाग चकरा गया। पुलिस ने और अधिक जांच की तो पता चला कि बच्चा और शिक्षिका शाम पांच बजे सूरत रेलवे स्टेशन पहुंचे थे। शिक्षिका सूरत रेलवे स्टेशन पहुंचकर अपना फोन भी बंद कर देती है और बच्चे के साथ ट्रेन में बैठकर रवानगी होती हुई दिखाई दी।

मामला गंभीर होने के कारण, पुना पुलिस की दो टीमों और कापोद्रा की एक टीम मिलकर कुल तीन टीमें अलग-अलग दिशाओं में जांच कर रही हैं। पुलिस को यह जानकारी मिली है कि इस शिक्षिका ने 'बुक माय ट्रिप' से टूर बुक किया था। शिक्षिका ने अपने घर से कपड़े भरी हुई एक बैग ली थी, लेकिन बच्चे के पास कोई सामान नहीं था। एक दिन पहले भी यह शिक्षिका बैग लेकर जाते हुए दिखी थी और अगले दिन वह बच्चे को लेकर चली गई। यह संभव है कि शिक्षिका यात्रा पर जाना चाहती हो और उसने अपने साथ इस बच्चे को भी लिया हो। हालांकि, पुलिस सभी दिशाओं में जांच कर रही है।

पिता ने बताया कि जब शिक्षिका के माता-पिता से पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि वह दोपहर दो बजे के बाद घर से बाहर गए थे और फिर वापस नहीं आए, साथ ही उनका फोन भी बंद था। इसके बाद पुना पुलिस में अपहरण की शिकायत दर्ज करवाई गई। पुलिस ने CCTV फुटेज के आधार पर अपनी जांच केंद्रित की।

इस जांच में छात्र और शिक्षिका सूरत रेलवे स्टेशन पर नजर आए थे। इसके अलावा, पर्वत पटिया क्षेत्र में भी एक दुकान में वे दिखाई दिए, जहां शिक्षिका ने छात्र को जूते, कपड़े आदि खरीदवाए थे। इस समय तक, शिक्षिका के परिवार वालों का कहना है कि उन्होंने इस बच्चे को अपनी सुरक्षा के लिए अपने साथ लिया है।

पाकिस्तान का झंडा रोड पर लगाने का विरोध

सूरत सिविल से सोशल सर्कल के पास पाकिस्तान मुर्दाबाद का स्टिकर लगाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद देशभर में रोष देखा जा रहा है। लोग कैंडल मार्च के साथ बैनर-पोस्टर के जरिए आतंकवाद और पाकिस्तान के खिलाफ विरोध दर्ज कर रहे हैं। इस दौरान आज सूरत सिविल अस्पताल से सोशल सर्कल की ओर जाने वाले रास्ते पर स्थित गौशाला के सामने हिंदू संगठन द्वारा पाकिस्तान मुर्दाबाद का स्टिकर चिपकाया गया है। लोग इस पर चल रहे हैं और वाहन चला रहे हैं, ताकि वे अपना गुस्सा जाहिर कर सकें।

सूरत के सिविल अस्पताल से सोशल सर्कल की ओर जाने वाले रास्ते पर स्थित गौशाला के सामने कुछ हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं द्वारा पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए गए थे। इसके अलावा, युवकों ने सड़क पर पाकिस्तान के झंडे का बड़ा स्टिकर लगा दिया, ताकि सभी लोग इस पर चलकर अपना विरोध प्रकट कर सकें। साथ ही सड़क पर गाड़ियां भी गुजर रही थीं। इस तरह से पाकिस्तान के खिलाफ गुस्सा प्रकट किया जा रहा था। युवकों की बड़ी संख्या ने मिलकर सड़क पर बड़ा स्टिकर लगा कर पाकिस्तान को करारा जवाब देने की भावना व्यक्त की।

सूरत शहर बजरंग दल के पूर्व अध्यक्ष देवप्रसाद दुबे ने कहा कि, पाकिस्तान ने फिर से कायरतापूर्ण हरकत की है। मोदी सरकार इसका जवाब जरूर देगी, लेकिन इस घटना के बाद पाकिस्तान के खिलाफ नफरत और बढ़ गई है। हम पाकिस्तान के राष्ट्रीय ध्वज को सड़क पर चिपका चुके हैं। हमारी भावना थी कि पाकिस्तान को उसकी औकात दिखानी चाहिए और उसे जहां उसका स्थान है, वहीं रखा जाना चाहिए। आगामी दिनों में पाकिस्तान के खिलाफ तीव्र विरोध दर्ज किया जाएगा और इसके लिए कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

5 दिनों से गंदा और जीवाणु युक्त पानी सप्लाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत के भिमराड के स्वागतम क्लिफ्ट में पिछले 5 दिनों से गंदा और जीवाणु युक्त पानी सप्लाई किया जा रहा है। यह समस्या दो हफ्ते पहले भी सामने आई थी, जब यहां पानी की गुणवत्ता को लेकर शिकायतें आई थीं। स्थानीय लोग इसे लेकर परेशान हैं और स्वास्थ्य पर असर डालने की चिंता व्यक्त कर रहे हैं। इस मुद्दे को लेकर अधिकारियों से कार्रवाई की उम्मीद जताई जा रही है।

अलथाण-भिमराड में दो सप्ताह पहले बिजली कंपनी द्वारा 5 स्थानों पर किए गए खुदाई के दौरान ड्रेनेज कनेक्शनों के टूटने के कारण गंदे पानी की शिकायत आई थी। इस समस्या के समाधान के बाद अब स्वागतम क्लिफ्टन सोसाइटी में पेयजल में जीवाणु दिखाई देने से स्थानीय लोग चिंतित हैं। इस बारे में पालिका को शिकायत की गई, लेकिन 5 दिन बाद भी समस्या जस की तस बनी हुई है। स्थानीय निवासी उज्जवल अग्रवाल ने बताया कि सोसाइटी के सोशल मीडिया ग्रुप में फोटो और वीडियो के साथ शिकायत की गई थी ताकि ध्यान दिया जा सके। इस मुद्दे को लेकर पालिका में ऑनलाइन शिकायत की गई थी। पानी सप्लाई के दौरान शुरुआत में लाल जीवाणु तैरते हुए दिखाई देते हैं, जिसके कारण नल में जाल (नेट) लगाया गया था, लेकिन जाल में भी जीवाणु दिखाई देने लगे, जिससे सोसाइटी के लगभग 3,000 निवासियों में चिंता फैल गई है। इस समस्या का तुरंत समाधान करने की निवासियों ने मांग की है।

सूरत ग्रामीण के 245 संदिग्धों में से 30 महिलाएं सहित 60 बांग्लादेशी निकले

महिलाएं छूटे-मजदूरी और देह व्यापार में संलिप्त थीं पुलिस को मोबाइल से कई सबूत मिले

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत ग्रामीण पुलिस ने अवैध रूप से रहने वाले विदेशी नागरिकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। कडोदरा, पलसाणा, कामरेज और कोसांबा क्षेत्रों से कुल 245 संदिग्ध विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। अब तक 60 लोगों की जांच की गई है, और यह सभी बांग्लादेशी नागरिक के रूप में सामने आए हैं। 60 लोगों में से 30 महिलाएं हैं, जो मजदूरी करती थीं, जबकि कुछ महिलाएं देह व्यापार में सक्रिय पाई गईं।

इसके अलावा, चोकबजार पुलिस ने भी अलग-अलग अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम बनाकर नेहरूनगर झोपड़पट्टी, साबरीनगर, रिवरव्यू सोसाइटी, फूलवाड़ी, पंडोल सहित अन्य क्षेत्रों में सर्च ऑपरेशन चलाया और 134 संदिग्ध लोगों को पकड़ा है, जिनकी जांच जारी है।

ग्रामीण पुलिस के हाथों पकड़े गए बांग्लादेशी नागरिकों की जांच में कुछ महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। कुछ लोगों के मोबाइल फोन से बांग्लादेश के नंबरों के साथ लगातार संपर्क बनाए रखने के सबूत मिले हैं। उनकी व्हाट्सएप चैट्स भी मिली हैं, जिसमें बांग्लादेश स्थित लोगों के साथ बातचीत हो रही थी। ऐसे संदेशों और कॉल लॉग्स के आधार पर यह स्पष्ट होता है कि बांग्लादेशी नागरिक अब भी अपने मूल देश के लोगों के साथ संपर्क में थे। इस साथ ही यह संदेह उत्पन्न हो रहा है कि वे अवैध गतिविधियों के लिए संपर्क बनाए रखते थे।

जांच में यह भी सामने आया है कि ये सभी बांग्लादेशी नागरिक पहले पश्चिम बंगाल पहुंचे थे और फिर बाद में सूरत आ गए थे। सूरत आने के बाद इन्होंने कुछ जगहों पर फर्जी दस्तावेज बनाए और छूटे मजदूरी के साथ-साथ कुछ महिलाएं देह व्यापार जैसी अवैध गतिविधियों में शामिल हो गई थीं। पकड़े गए 60 बांग्लादेशी नागरिकों में से 30 महिलाएं थीं।

विशेष रूप से कोसांबा क्षेत्र से सबसे अधिक 30 बांग्लादेशी नागरिक पकड़े गए हैं। वर्तमान में बाकी पकड़े गए लोगों के वेरिफिकेशन का काम जोर-शोर से चल रहा है। पुलिस ने सभी को कड़ी पूछताछ के लिए कस्टडी में रखा है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उनके मोबाइल से मिले बांग्लादेशी संपर्कों के सबूतों के आधार पर और गहरी जांच शुरू की गई है। सुरत ग्रामीण पुलिस ने स्पष्ट किया है कि वे देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए ऐसे अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे। जो कोई भी भारतीय दस्तावेज़ों की गलत तरीके से व्यवस्था करने में मददगार बना होगा, उसकी भी जांच कर कानूनी कदम उठाए जाएंगे।

चोकबाजार पुलिस द्वारा अलग-अलग टीमें बनाकर नेहरूनगर झोपड़पट्टी, साबरिनगर, रिवरव्यू सोसाइटी, फुलवाड़ी, पंडोल सहित अन्य इलाकों में कार्रवाई की गई थी। जिसमें 143 शंका उत्पन्न करने वाले लोग मिले हैं। वर्तमान में सभी लोगों की जांच चल रही है।

उल्लेखनीय है कि पकड़े गए बांग्लादेशी नागरिकों में से कुछ ने सूरत में बोगस दस्तावेज बनाए थे। उन्होंने भारत-बांग्लादेश सीमा से पश्चिम बंगाल होकर अवैध घुसपैठ की थी। अधिकांश लोग बांग्लादेश के संपर्क में थे। जबकि अन्य शक्की लोगों की वेरिफिकेशन की जा रही है। इन सभी बांग्लादेशियों का ठिकाना कडोदरा, पलसाना, कामरेज, कोसंबा था। जिसमें सबसे ज्यादा 30 बांग्लादेशी कोसंबा से मिले थे।

साड़ी के 2 कारखानों से 6 बाल मजदूरों को मुक्त कराया।, 12 घंटे की शारीरिक श्रम, 200 रुपये का वेतन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत में एक बार फिर से 6 बाल मजदूरों को एक साड़ी के कारखाने से मुक्त कराया गया है। यह बच्चे राजस्थान से लाए गए थे और उन्हें वहां मर्जी के बिना 12 घंटे की शारीरिक श्रम करने के लिए मजबूर किया जा रहा था, जिसके बदले उन्हें सिर्फ 200 रुपये का वेतन दिया जा रहा था।राजस्थान के उदयपुर जिले के गांवों से बाल मजदूरों को मजदूरी के लिए सुरत लाए जाने का एक और मामला सामने आया है। सुरत के पुणा क्षेत्र में पुलिस ने जांच के दौरान साड़ी के 2 कारखानों से 6 बाल मजदूरों को मुक्त कराया। पुलिस ने इन बच्चों को मुक्त कर उन्हें कतारगाम बाल आश्रम भेज दिया है। इस साड़ी के दोनों कारखानों के मालिकों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू की गई है।

सुरत में कुछ दिन पहले दो बाल मजदूर कड़ी मजदूरी से तंग होकर भागकर पुलिस स्टेशन पहुंचे,जिससे यह खुलासा हुआ कि राजस्थान से बच्चों को सुरत लाकर कड़ी मजदूरी करवाई जा रही थी। इसके बाद एक कारखाने से पांच बाल मजदूरों को मुक्त कर उन्हें उनके परिवारों को सौंप दिया गया। हालांकि, इस तरह से और बच्चों को सुरत लाकर कड़ी मजदूरी करवाई जा रही है, इस आशंका के तहत पुणा पुलिस की सी टीम ने पुणा क्षेत्र में जांच शुरू की है।

पुणागाम सीताराम सोसाइटी में बाल श्रम की गतिविधि चल रही थी या नहीं, इस बारे में पुणा पुलिस और सी टीम द्वारा जांच की गई। जानकारी मिली थी कि सीताराम सोसाइटी के घर नंबर-एबी/316 और बी/314 में बाल मजदूरों को लाकर साड़ी के कारखानों में मजदूरी करवाई जा रही थी। इसके बाद पुलिस ने इन दोनों घरों में छानबीन की और इन साड़ी के कारखानों से छह बाल मजदूरों को मुक्त कर लिया।

दिलीपसिंह वर्दीसिंह राजपूत (उम्र 42, व्यवसाय - जॉबवर्क, निवासी - नं.-एबी/316 सीताराम सोसाइटी, पीछे पुणागाम, सूरत शहर, मूल निवासी - वरदा, तहसील - कुंभलगढ़, जिला - राजसमंद, राजस्थान) और सुरेसिंह नाथुसिंह खरवड़ (उम्र 24, व्यवसाय - जॉबवर्क, निवासी - घर नं.-बी/314 सीताराम सोसाइटी, पुणागाम, सूरत शहर, मूल निवासी - गांव - गाबड़ी की भागल काकड़वा, तहसील - कुंभलगढ़, जिला - राजसमंद, राजस्थान) राजस्थान से बच्चों को लाकर यहां साड़ी के कारखानों में मजदूरी करवा रहे थे।

बच्चों ने पुलिस को बताया कि कई महीनों से उन्हें राजस्थान के उदयपुर से सूरत लाया गया था। उन्हें 12 घंटे की मजदूरी करवाई जाती थी और बदले में 200 रुपये दिए जाते थे। फिलहाल, पुणा पुलिस ने इन दोनों साड़ी के कारखानों के मालिकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है। साथ ही, दोनों आरोपियों को पकड़ने के लिए कार्रवाई भी शुरू की गई है।

देवध रोड की शाक मार्केट, अब रैन बसेरा बन गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में देवध रोड की शाक मार्केट कोरोना के कारण बंद हो जाने के बाद अब यह क्षेत्र योजना की कमी के कारण रैन बसेरा बन गया है। पहले यहां व्यवस्थित तरीके से शाक-फल की बिक्री होती थी, लेकिन अब यह जगह बेज़ा और अव्यवस्थित तरीके से उपयोग में लाई जा रही है। यह मुद्दा स्थानीय प्रशासन के लिए चिंता का विषय बन गया है, क्योंकि यहां के लोग अब खुले में शाक-फल बेचने और खरीदने लगे हैं, जिससे न केवल व्यापार में असुविधा हो रही है, बल्कि स्थानीय सफाई और यातायात भी प्रभावित हो रहे हैं।

महिलाओं के लिए मेडिकल कैंप का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा 24 अप्रैल 2025 से 26 अप्रैल 2025 तक 3 दिवसीय मेडिकल कैंप का आयोजन पारले प्वाइंट स्थित यूनिसन हेल्थ चैकअप्स एंड डायग्नोस्टिक में किया गया। महिला शाखा अध्यक्षा सोनिया गोयल ने बताया कि है इस मेडिकल कैंप में महिलाओं के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए उनके लिए सबसे जरूरी पैप समीर टेस्ट और मैमोग्राफी टेस्ट डॉक्टर डिंपल चेतवानी द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में महिला शाखा की सरोज अग्रवाल, रुचिका रुंगटा, सीमा कोकड़ा, प्रीति गोयल, शालिनी चौधरी, कुसुम सराफ सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं।

अनुराग जैन अध्यक्ष एवं गोपेश अग्रवाल महासचिव बने

एफटीएस युवा की वार्षिक साधारण सभा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,एफटीएस युवा सूरत की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन रविवार को सिटी लाइट स्थित अग्रसेन पैलेस के वृंदावन हॉल में किया गया। सभा में अध्यक्ष अनुराग अग्रवाल एवं महासचिव दुर्गेश मोर डियरा गत वर्ष के कार्यों का विवरण दिया गया। इसके पश्चात नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। नई कार्यकारिणी में अनुराग जैन को अध्यक्ष एवं गोपेश अग्रवाल को महासचिव बनाया गया। इसके अलावा ऋषभ चौधरी, निर्मल नागदा एवं दुर्गेश मोर को उपाध्यक्ष, गौरव बजाज, शिखा राठी को संयुक्त महासचिव, अरविंद मूंदड़ा को संघटन सचिव, नेहा बत्रा को संयुक्त संघटन सचिव, विशाल राठी को कोषाध्यक्ष, गौरव मूंदड़ा, प्रियंका अग्रवाल को संयुक्त कोषाध्यक्ष बनाया गया। इसके अलावा एफटीएस मार्गदर्शक के रूप में श्रीनारायण पेड़ीवाल एवं सीए बालकिशन अग्रवाल को नियुक्त किया गया।

सभा में सौ से अधिक युवा सदस्य उपस्थित रहें। इस दौरान एकल अभियान के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की विशेष प्रस्तुति दी गई।